संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 343
पृष्ठ 8
बुधवार
04 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना धोए नए कपड़े पहनने...

विचार- महिला सम्मान पर श्री खड़गे के...

खेल- हरमनप्रीत सिंह ने कहा- 'ओलंपिक...

सशस्त्र बल राष्ट्र की सुरक्षा की एक मजबूत नींव : योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सशस्त्र बल केवल एक रक्षा ढांचा मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्र की सुरक्षा की एक मजबूत नींव भी है। सशस्त्र सैन्य समारोह को संबोधित करते हुये श्री योगी ने कहा "हमें याद रखना चाहिये कि हमारे वीर जवान अपनी जान की परवाह किए बगैर देश की सेवा में तत्पर रहते हैं। यही वजह है कि वह जन जनमानस के मन में राष्ट्र नायक के रूप में सम्मान प्राप्त करते हैं। हमें गर्व है कि हमारे पास ऐसी सक्षम और समर्पित सेना है, जो हर स्थिति में देश की सुरक्षा करने में सक्षम है। भारत की सेना दुनिया की अद्वितीय सेना है, जिसने सदैव अपनी ताकत, अनुशासन और तकनीकी क्षमता का लोहा न केवल दुश्मनों को मनवाया है, बल्कि देश के अंदर भी सम और विषम दोनों परिस्थितियों में एक सकारात्मक भूमिका के साथ कार्य करते हुए अपना उत्कृष्टतम प्रदर्शन और सहयोग दिया है।" उन्होंने कहा कि इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी की एकीकृत कमान, जिसमें थल, नभ और जल तीनों सेनाएं आपसी समन्वय से आसानी से कैसे दुश्मन को परास्त कर विजय प्राप्त करती हैं, उसकी एक झलक हम सबने यहां देखी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के बहादुर सैनिकों की सजगता का ही परिणाम है कि आज विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भारत पूरी मजबूती के साथ अपनी सीमाओं की सुरक्षा करने और बड़े से बड़े षड्यंत्र को असफल करने में सक्षम हुआ है। हमारे बहादुर जवानों का शौर्य और पराक्रम 140 करोड़ भारतवासियों को आश्वस्त करता है। यह हमारा सौभाग्य है कि उत्तर प्रदेश वीरों की भूमि है। देश की सुरक्षा के लिए हर युद्ध में हमारे नौजवानों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने अपने शौर्य और पराक्रम से देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार सेवारत, सेवानिवृत्ति सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। देश की सीमाओं की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों के परिवारजनों को राज्य सरकार 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि, सैनिक परिवार के एक सदस्य को उत्तर प्रदेश शासन की शासकीय सेवा में समायोजित करने और शहीद सैनिक की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए उनके स्मारक के साथ उनके नाम पर किसी संस्था का नामकरण करने का कार्य भी कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तेजी के साथ आगे बढ़ा है। फरवरी 2018 में लखनऊ में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी। उसमें से एक उत्तर प्रदेश में 6 नोड पर स्थापित हो रहा है। प्रदेश सरकार ने इन 6 के 6 नोड पर रक्षा मंत्रालय के साथ बेहतरीन तालमेल स्थापित करते हुए कार्य को आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में राजधानी लखनऊ में डीआरडीओ ब्रह्मोस और झांसी नोड में भारत डायनामिक्स लिमिटेड द्वारा दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्थापित करने की कार्रवाई तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। इन परियोजनाओं से देश की सैन्य शक्ति मजबूत होगी और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी बल मिलेगा। आधुनिकतम उपकरण और तकनीक का विकास भारत की ही धरती पर होगा, जिससे हमारी सेवा और भी मजबूत होगी। राष्ट्र रक्षा के इन प्रयासों में उत्तर प्रदेश सदैव अग्रणी भूमिका का निर्वहन करेगा। योगी ने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर से प्रदेश के युवाओं को व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर भी सुलभ हो रहे हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फरवरी 2020 में डिफेंस एक्सपो का सफल आयोजन किया गया। डिफेंस एक्सपो निवेश की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। उत्तर प्रदेश में डिफेंस सेक्टर से संबंधित एचएएल, ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड आदि पहले से ही कार्यरत हैं। वहीं इसके विस्तार को लेकर राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सैन्य समारोह हमारे समाज और युवा पीढ़ी को एक नई प्रेरणा प्रदान करेगा। सशस्त्र सैन्य समारोह के माध्यम से आम जनमानस को सेना के सामर्थ्य और देश की सुरक्षा में हमारे सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान को समझने का एक अवसर प्राप्त होगा। इसके लिए तीनों सशस्त्र बलों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

ब्रुनेई पहुंचे पीएम मोदी, बोले-

मजबूत संबंधों की आशा, क्राउन प्रिंस को धन्यवाद

● क्राउन प्रिंस हाजी अल-मुहतादी बिल्लाह ने किया रिसीव

ब्रुनेई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को ब्रुनेई पहुंचे, जो दोनों देशों के बीच 40 साल के राजनयिक संबंधों के बावजूद किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस द्वीप राष्ट्र की पहली यात्रा है। ब्रुनेई की अपनी यात्रा के बाद, पीएम मोदी 4 सितंबर से 5 सितंबर तक दो दिवसीय यात्रा के लिए सिंगापुर जाएंगे, इस दौरान वह सिंगापुर के प्रधान मंत्री लॉरेंस वोंग के साथ बातचीत करेंगे। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि ब्रुनेई दारुस्सलाम में उतरा। हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों की आशा है, विशेष रूप से वाणिज्यिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने में। मैं हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के लिए क्राउन प्रिंस हिज रॉयल हाईनेस प्रिंस हाजी अल-मुहतादी बिल्लाह को धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री के प्रस्थान से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यात्रा के लिए परिपक्व समय माना। एस जयशंकर ने कहा कि भारत में हो रहे बदलाव और दुनिया में हो रहे बदलावों को देखते हुए इन्हें और अधिक समसामयिक बनने की जरूरत है। कई मायनों में, यही कारण है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में इतनी जल्दी सिंगापुर का दौरा करने का विकल्प चुना है। दो देशों के दौरे पर निकलने से पहले, प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक बयान में कहा कि गले दो दिनों में, मैं ब्रुनेई दारुस्सलाम और सिंगापुर का दौरा करूंगा। इन देशों में विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान, ध्यान और गहरा करने पर होगा। महामहिम सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के निमंत्रण के बाद पीएम मोदी की ब्रुनेई यात्रा हो रही है। इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना है।

विभव कुमार को मिली जमानत से स्वाति मालीवाल आहत, शेयर किया 'द्रौपदी चीरहरण' वाला पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को हिंदू महाकाव्य महाभारत से एक तस्वीर पोस्ट की। छवि में दुशासन द्वारा द्रौपदी का चीरहरण दिखाया गया था, जबकि पांडवों द्वारा कौरवों से जुआ हारने के बाद कृष्ण ने उसे फिर से वस्त्र पहनाया था। मालीवाल ने यह गुप्त पोस्ट अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार, जिन पर उन्होंने अपने साथ मारपीट करने का आरोप लगाया था, को जमानत मिलने के एक दिन बाद साझा किया। स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया था कि जब वह 13 मई को अरविंद केजरीवाल के आवास पर गई थीं तो विभव कुमार ने उनके साथ मारपीट की थी। मालीवाल ने कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी और उन्हें 18 मई को गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, बिभव कुमार को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी। सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि बिभव कुमार 100 दिनों की न्यायिक हिरासत में थे और आरोप पत्र दायर किया गया था। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि चोटें साधारण हैं। यह जमानत का मामला है। आपको विरोध नहीं करना चाहिए। आप ऐसे मामले में किसी व्यक्ति को जेल में नहीं रख सकते। अदालत द्वारा बिभव कुमार को राहत दिए जाने के एक दिन बाद, स्वाति मालीवाल ने एक्स पर एक गुप्त पोस्ट साझा किया। द्रौपदी चीरहरण (वस्त्रीकरण) की छवि के साथ कोई कैप्शन नहीं था। स्वाति मालीवाल, जिन्हें इस साल जनवरी में ।।च द्वारा राज्यसभा का टिकट दिया गया था। मई में हुई घटना के बाद से उनकी पार्टी के साथ मतभेद चल रहे हैं।

खड़गे,राहुल से मिले हेमंत सोरेन

नयी दिल्ली, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से यहां मुलाकात की और प्रदेश एवं देश की राजनीतिक हालात पर चर्चा की। श्री सोरेन के साथ इस इस मुलाकात के दौरान उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, कांग्रेस महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल तथा अन्य नेता भी मौजूद थे। समझा जाता है कि इन नेताओं ने झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ ही सीटों के बंटवारे तथा अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की।

केजरीवाल को कोर्ट ने जारी किया समन, 11 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दायर पूरक आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल को समन जारी किया। कोर्ट ने दस्तावेजों की आपूर्ति के लिए मामले को 11 सितंबर को सूचीबद्ध किया है। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल, दुर्गेश पाठक, विनोद चौहान, आशीष माथुर, सरथ रेड्डी के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को आबकारी नीति 'घोटाले' से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन सितंबर तक बढ़ा दी थी। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर केजरीवाल को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत में पेश किया गया था, जहां उनकी न्यायिक हिरासत अवधि तीन सितंबर तक बढ़ा दी गई थी।

कर्नाटक में महामारी की तरह बढ़ रहे हैं डेंगू के मामले

● सरकार ने वृद्धि के बीच इसे महामारी रोग के रूप में अधिसूचित किया

कर्नाटक, एजेंसी। कर्नाटक में डेंगू के मामलों में वृद्धि के बीच, राज्य सरकार ने मंगलवार को डेंगू बुखार, इसके गंभीर रूपों सहित, को महामारी रोग के रूप में अधिसूचित किया और कर्नाटक महामारी रोग विनियम 2020 में संशोधन करने के लिए नियम बनाए। कार्य योजना की घोषणा करते हुए, सीएम सिद्धारमैया ने कहा, इस साल अब तक 7,362 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं। 12 लोगों की मौत हो गई है। डेंगू के मामलों के लिए हर अस्पताल में एक वार्ड में 10 बेड आवंटित किए जाने चाहिए... झुग्गी निवासियों को मुफ्त मच्छरदानी प्रदान की जानी चाहिए। गुरुवार तक, ब्रुहट बेंगलुरु महानगर पालिका क्षेत्र में अकेले 11,219 मामले सामने आए हैं, जिसमें 32 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। राज्य में वर्तमान में डेंगू के 1,358 सक्रिय मामले हैं, पिछले 24 घंटों में 245 नए मामले सामने आए हैं। नए मामलों में, एक वर्ष से कम उम्र के पांच शिशु हैं, और 100 एक से 18 वर्ष की आयु के बच्चे हैं। 140 मामलों में 18 वर्ष से अधिक आयु के वयस्क शामिल हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि सरकार स्थिति पर नज़र रख रही है और सभी विभागों को स्रोत में कमी लाने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले, राज्य सरकार ने मेडिकल इमरजेंसी की संभावना को खारिज करते हुए कहा था कि यह संक्रमण कोविड की तरह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है। उनकी यह टिप्पणी हृदय रोग विशेषज्ञ और बेंगलुरु ग्रामीण के सांसद डॉ. सीएन मंजूनाथ द्वारा राज्य सरकार से डेंगू को मेडिकल इमरजेंसी घोषित करने का आग्रह करने के बाद आई है। हालांकि, राव ने अस्पतालों को बेड तैयार रखने की सलाह दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकारी अस्पताल डेंगू के रोगियों को अंतःशिरा द्रव और प्लेटलेट्स के माध्यम से सही उपचार और देखभाल प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।

कांग्रेस नेताओं को राहुल गांधी की नसीहत, गुटबाजी से रहें दूर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ पार्टी के नवनियुक्त सचिवों और

संयुक्त सचिवों से मुलाकात की और सभी से गुटबाजी से दूर रहने का आग्रह किया और उनसे कहा कि अगर उनके पास कोई मुद्दा है तो वे सार्वजनिक रूप से न जाएं। इसे पार्टी मंचों पर उठायें। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा नेता राहुल गांधी और पार्टी जीएस-ओ के सी वेणुगोपाल शामिल हुए। इस पहली बैठक में कांग्रेस नेतृत्व का संदेश साफ था कि नेताओं को प्रदर्शन करना होगा और छह महीने बाद उनके प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी और जवाबदेही तय की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने कहा कि भविष्य के नेता इन्हीं नेताओं से सामने आएंगे और उन्होंने कहा कि नेतृत्व का उद्देश्य कनिष्ठ वर्ग को बढ़ावा देना है न कि उन्हें खारिज करना। हालाँकि, उन्होंने सभी को गुटबाजी से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी है और नेताओं से कहा है कि अगर उनके पास कोई मुद्दा है तो उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं जाना चाहिए, इसके बजाय उन्हें इसे पार्टी मंच के भीतर उठाना चाहिए।

सीबीएसई ने राजस्थान और दिल्ली में 27 स्कूलों का किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने आज, 3 सितंबर को राजस्थान और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 27 स्कूलों में औचक निरीक्षण किया। इन निरीक्षणों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि बोर्ड से संबद्ध स्कूल सीबीएसई द्वारा निर्धारित मानदंडों और उपनियमों का सख्ती से पालन करें। इन निरीक्षणों के निष्कर्षोंकी गहन समीक्षा की जाएगी, और गैर-अनुपालन के मामलों में उचित कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, निरीक्षण 27 टीमों द्वारा किया गया, जिनमें से प्रत्येक में एक सीबीएसई अधिकारी और एक सीबीएसई-संबद्ध स्कूल के प्रिंसिपल शामिल थे। निरीक्षण की योजना बनाई गई और उसे समकालिक तरीके से क्रियान्वित किया गया, जो कम समय सीमा के भीतर सभी स्कूलों में हुआ।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में नौ नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में मंगलवार की सुबह से सुरक्षा बल के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में नौ नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गये नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारुद भी बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि पिछले एक घ्घंटे से जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में अब तक नौ नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मिली जानकारी के अनुसार, ये मुठभेड़ लोहागांव पीडिया जंगल में हो रही है। सुरक्षा बल के जवान लगातार नक्सलियों पर गोलियां बरसा रहे हैं जिसमें कई माओवादियों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। इस बीच पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि डीआरजी की टीम सर्च पर निकली थी कि अचानक नक्सलियों से मुडभेड़ शुरु हो गयी जिसमें अभी तक नौ नक्सलियों को मार गिराया है। साथ ही औटोमेटिक हथियार 303 ,एक 47 एसएलआर और 315 बोर राइफल भी बरामद किए गए हैं।

संदीप घोष को 8 दिन की सीबीआई हिरासत, 10 सितंबर को होगी पेशी

नई दिल्ली, एजेंसी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष को सीबीआई ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। जहां संदीप घोष को 8 दिन की हिरासत में भेज दिया गया और 3 अन्य आरोपियों को भी सीबीआई हिरासत में भेजा गया है। अब 10 सितंबर को अगली पेशी होगी। आरजी कर अस्पताल की एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में घोष से सीबीआई के साल्ट लेक कार्यालय में 15वें दिन भी पूछताछ की गई। बाद में, उन्हें यहां सीबीआई के निजाम पैलेस कार्यालय ले जाया गया, जहां एजेंसी की भ्रष्टाचार रोधी शाखा का दफ्तर है। वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने घोष की गिरफ्तारी को अंत की शुरुआत बताया। बोस ने पीटीआई-से कहा, "यह अंत की शुरुआत है।" हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 23 अगस्त को अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच का जिम्मा राज्य द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से सीबीआई को स्थानांतरित करने

का आदेश दिया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल, संदीप घोष और तीन अन्य को कथित वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में गिरफ्तार करने के कुछ घंटों बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल प्रमुख, अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि इस मामले में गिरफ्तार लोगों से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं की नजदीकियां हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में एंटी रेप बिल पास

● पीड़ित कोमा में गई या मौत हुई तो दोषी को 10 दिन में फांसी होगी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंगलवार को एंटी रेप बिल पास हो गया। नए कानून के तहत रेप केस की 21 दिन में जांच पूरी करनी होगी। इसके अलावा पीड़िता के कोमा में जाने या मौत होने पर दोषी को 10 दिन में फांसी की सजा होगी। बिल आगे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। उनके साइन के बाद यह कानून बन जाएगा। ममता सरकार ने एंटी रेप बिल को श्अपराजिताश महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) बिल 2024 नाम दिया है। राज्य सरकार ने बिल पारित करने के लिए 2 सितंबर से दो दिन विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया था। कानून मंत्री मलय

घटक ने इसे विधानसभा में पेश किया। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8-9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर हुआ था। इसके बाद देशभर में डॉक्टरों और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन के बाद ममता बनर्जी ने कहा था कि वो राज्य में रेप जैसे अपराध के लिए सख्त कानून बनाएंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री को भी इसके लिए दो बार चिट्ठी लिखी थी। अब बंगाल सरकार ने बिल पेश कर दिया है। इस बिल में हर जिले के भीकर स्पेशल अपराजिता टास्क फोर्स बनाए जाने का प्रावधान है। रेप, एसिड, अटैक और छेड़छाड़ जैसे मामलों में ये टास्क फोर्स एक्शन लेगी। टास्क एक्शन फोर्स इस मामले में अपराधियों सलाखों के पीछे पहुंचाएगी। ममता सरकार द्वारा पेश किए गए इस बिल में रेप के साथ ही एसिड अटैक भी उतना ही गंभीर माना गया है। महिलाओं पर एसिड अटैक करने वालों के खिलाफ ऐसी सजा का प्रावधान किया गया है कि वो ऐसे अपराध करने से पहले 10 बार सोचेंगे। इसके लिए इस बिल में आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है।

प्रयागराज में मौलवी पढ़ाता था- RSS आतंकी संगठन

70 बच्चों का ब्रेनवॉश करता था, मदरसे में मिलीं आपत्तिजनक किताबेंय IB कर रही जांच

प्रयागराज। प्रयागराज के मदरसा में जाली करेंसी छापने के साथ ही एक और खुलासा हुआ है। यहां का प्रिंसिपल मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन 70 बच्चों का ब्रेनवाश करता था। उन्हें पढ़ाता था– RSS देश का सबसे बड़ा आतंकी संगठन है। जाली करेंसी मामले की जांच के लिए प्ठ की टीम 28 अगस्त को मदरसा पहुंची। मौलवी के कमरे की जांच में कई आपत्तिजनक किताबें और तस्वीरें बरामद कीं। RSS से जुड़े कुछ डॉक्युमेंट और किताबें भी मिली हैं। जिसमें ब्रेनवाश के मामले का खुलासा हुआ। खुफिया एजेंसियों ने इसे लेकर जांच तेज कर दी है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन किताबें मिलने की बात मानी है। उनका कहना है कि मामले की जांच प्ठ कर रही है। मदरसा अतरसुइया थाने से महज एक किलोमीटर दूर है।

IB की टीम को मदरसे से जो किताबें मिली हैं, उनमें एक किताब का नाम है– RSS देश का सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन। इसके लेखक SM मुशर्रफ, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (महाराष्ट्र) हैं। मूल किताब उर्दू भाषा में लिखी गई है। इसके हिंदी और मराठी अनुवाद वाली भी किताबें हैं। यह किताब मदरसे के कार्यवाहक प्रिंसिपल मौलवी तफसीरुल आरीफीन के कमरे से मिली है। मौलवी के कमरे से कई स्पीड पोस्ट की पर्चियां मिली हैं। पर्चियों के आधार पर पुलिस एड्रेस वेरीफाई कर रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि कहां क्या भेजे जाते थे? मदरसे में जांच और पूछताछ करती पुलिस। पाकिस्तान के डॉन अखबार ने किताब की तारीफ की थी किताब में मुंबई के 26ध्11 हमले को हिंदू अटैक बताया गया है। पाकिस्तान के डॉन अखबार ने किताब की तारीफ में लेख लिखा था। डॉन ने लिखा था कि इंडिया का एक प्ळ खुद कह रहा है कि ये हमला पाकिस्तान ने नहीं किया था। उर्दू किताब का पुलिस हिंदी अनुवाद करा रही है। ये मदरसे का प्रिंसिपल मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन है। इसी के कमरे में पुलिस को किताबें और पर्चियां मिली हैं। 20वीं सदी में हिंदू–मुस्लिम दंगे करवाना ब्राह्मणवादियों का षड्यंत्र था किताब में जिक्र है. .. RSS एक सांप्रदायिक संगठन है। बहुजन और दलित युवाओं को संघ के साथ जोड़ने के लिए यह झूठा प्रचार करता है। पूर्वनियोजित हिंदू–मुस्लिम दंगे करवाना ब्राह्मणवादियों का 20वीं सदी का सबसे बड़ा षड्यंत्र था। लेकिन, 21वीं सदी में RSS ने अपने कुछ कामों में बदलाव किया है। हिंदू–मुस्लिम दंगे करवाने के अलावा मुस्लिम आतंकवाद का डर लोगों के दिलों–दिमाग में भरने का काम है और अन्य ब्राह्मणवादी संगठन कर रहे हैं। गोपनीय एजेंसियां भी इन ब्राह्मणवादियों को सहयोग दे रही हैं। अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए कट्टरवादी ब्राह्मणवादियों ने अभिनव भारत के नाम से और एक संगठन बनाया है। 21वीं सदी की शुरुआत में साल 2002 से 2008 के बीच देश में कई जगहों पर जो बड़े–बड़े बम धमाके हुए, वे सारे RSS के काम हैं। जैसे कोई घटना हुई प्ठ उसी दिन किसी मुस्लिम संगठन को दोष देकर उनके खिलाफ कार्रवाई करती थी।

प्रयागराज में स्ट्रेचर पर लिटाकर मारते रहे, मां गिड़गिड़ाती रहीय पत्नी का इलाज कराने आया था

मेडिकल कॉलेज में बेटे को डॉक्टरों ने पीटा...मां बेहोश

प्रयागराज। प्रयागराज के SRN अस्पताल में महिला मरीज के पति को जूनियर डॉक्टरों ने पीटा। मां के सामने जमकर लात–घूंसे बरसाए। मां छोड़ देने की गुहार लगाती रही। खुद बीच–बचाव की कोशिश की तो धक्का दे दिया। मां चिल्लाती रही– मेरे बेटे को छोड़ दो, मत मारो। लेकिन, उसकी एक न सुनी। अंत में रोती–बिलखती महिला बेहोश हो गई। घटना सोमवार देर शाम की है। वीडियो भी सामने आया है। थाना प्रभारी ने बताया सूचना मिलने पर दो सिपाही मौके थे। उस समय भी मारपीट चल रही थी। 12 से 15 डॉक्टरों पर मारने का आरोप है। जांच पड़ताल की जा रही है। बांदा से कुंती देवी अपनी बहू सुमन देवी और बेटे रोहित के साथ प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल पहुंचीं। कुन्नी देवी ने बताया– कुछ दिन पहले बहू सीढ़ी से गिर गई थी। सिर में गंभीर चोट लगी और लगातार सिर दर्द रहने लगा। इसी का इलाज कराने अस्पताल पहुंचे थे। मेरे बेटे की गलती बस इतनी थी कि वह अपनी पत्नी

की रिपोर्ट और दवा दिखाने के लिए डॉक्टर के केबिन में घुस गया। इतने में जूनियर डॉक्टर गुस्सा हो गए। बोले– कैसे अंदर आ गए। तुम्हारे बाप का अस्पताल है। वो लोग गालियां देने लगे। देखते ही देखते बेटे को पीटने लगे। मैं रोती रही, चिल्लाती रही कि भैया, डॉक्टर साहब उन्हें छोड़ दो। लेकिन वो लोग नहीं माने। करीब 15 मिनट तक बेटे को पीटा। उसके कपड़े तक फाड़ दिए गए। मां ने बताया– मारपीट की घटना सुन कुछ पुलिस वाले भी वहां आए। लेकिन जूनियर डॉक्टरों ने कमरा बंद कर मेरे बेटे को पीटा। पूछताछ में भी पता चला कि ैत्छ अस्पताल की पुलिस चौकी के कॉन्स्टेबल मौके पर पहुंचे थे। वारदात में वार्ड नंबर 12 और 15 में तैनात जूनियर डॉक्टर समेत कुल 15 जूनियर डॉक्टर थे। ये लोग वीडियो में भी कैद हुए हैं। हालांकि अभी तक इनके नाम की पुष्टि नहीं हुई है। रोहित ने बताया– मुझे लात–घूसों से पीटा गया। कई थप्पड़ मारे। कपड़े तक फाड़ दिए। मेरे भाई अंकित ने जब मोबाइल से पूरी घटना रिकॉर्ड करनी चाही तो इन लोगों ने गालियां देते हुए उनका फोन तक छीन लिया। घटना को लेकर भास्कर रिपोर्टर ने जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सचिन कुमार को फोन किया। उन्होंने कहा– मैं सेमिनार में हूं। घटना के बारे में जानकारी मिली है। इस संबंध में बाद में बात करूंगा। वहीं एसोसिएशन के महासचिव डॉ. रवि प्रताप ने कॉल रिसीव नहीं किया। नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर वत्सला मिश्रा ने बताया– मामले की जानकारी हुई है। जांच के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड को कहा गया है। इसके अध्यक्ष डॉक्टर दिलीप चौरसिया हैं। इसमें करीब 10 मेंबर हैं, जो पूरे मामले की जांच करेंगे। अगर जूनियर डॉक्टर दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। झांसी के जिला अस्पताल में वॉर्डबॉय ने इलाज कराने आए 60 साल के व्यक्ति को जमकर पीटा। उसके हाथ मरोड़ दिए। कई थप्पड़ मारे और धक्का मुक्की भी की थी। मरीज हाथ जोड़कर उसके सामने गिड़गिड़ाता रहा। बार–बार छोड़ने की गुहार लगता रहा, लेकिन वॉर्डबॉय ने उसकी एक न सुनी। उसे ध ाक्का मारकर बाहर निकाल दिया।

आजम खां की जमानत पर फैसला सुरक्षित, नगर पालिका की सफाई

मशीन चोरी का है मामला

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री मो. आजम खां की जमानत अर्जी की सुनवाई पूरी होने के बाद हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया है। आजम पर नगर पालिका परिषद रामपुर द्वारा खरीदी गई रोड क्लीनिंग मशीन चुराने का आरोप है। इनके ऊपर पद के दुरुपयोग करने का भी आरोप है। प्रदेश में सरकार बदलने के बाद रामपुर के सामाजिक

कार्यकर्ता वकार अली खान ने इस मामले में आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम सहित पांच अन्य लोगों के खिलाफ कोतवाली रामपुर में एफआइआर दर्ज कराई है। अर्जी पर न्यायमूर्ति समित गोपाल सुनवाई कर रहे थे। आजम के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बहस की। राज्य सरकार की तरफ से जमानत का विरोध किया गया।

प्रयागराज के डॉक्टरों ने मंत्री अनुप्रिया पटेल से की मुलाकातः किया जोरदार स्वागतय अनुप्रिया बोलीं-स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार का फोकस

प्रयागराज। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल प्रयागराज में रहीं। यहां कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के बाद वह सर्किट हाउस में पहुंचीं। यहां शहर के डॉक्टरों ने उनका स्वागत किया और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी वार्ता हुई। उन्होंने कहा कि , प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। अगर हम 2014 से पहले के स्वास्थ्य क्षेत्र के बजट को देखें, तो वह केवल 35,000 करोड़ रुपए था। लेकिन, आज 2024 में, यह बजट बढ़कर 91,000 करोड़ रुपए हो गया है। इससे स्पष्ट होता है कि हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च को लगातार बढ़ा रही है और इसे आम जनता के लिए अधिक किफायती और उच्च गुणवत्ता वाला बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे बताया, ष्2014 से पहले देश में केवल 6 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) थे। आज, मोदी सरकार के कार्यकाल में यह संख्या बढ़कर 22 हो गई है। इसके अलावा, 2014 से पहले मेडिकल कॉलेजों की संख्या 350 थी, जो अब बढ़कर 700 से अधिक हो चुकी है। सरकार ने मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े सुधार किए हैं, जिससे यूजी और पीजी की सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है।ष इस मौके पर मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह, एएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुजीत सिंह, संयुक्त सचिव डॉ. संतोष सिंह, केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील सिंह, और एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रोबाल नियोगी, एक्युरा क्रिटिकल केयर अस्पताल के निदेशक, डॉ. इलाक्षी शुक्ला, डॉ. शेखर चौध ारी, डॉ. मनीष केसरी, डॉ. मनीषा चौधरी और डॉ. रश्मि केसरी आदि शामिल रहे।

STF की गिरफ्त में आए एक-एक लाख के इनामी बदमाश अब्दुल मजीद और सुहेल, रच रहे थे साजिशय पूछताछ में खोले राज

प्रयागराज। करीब 15 महीने से फरारी काटने वाले एक–एक लाख के इनामी अब्दुल मजीद और सुहेल बड़ी साजिश रच रहे थे। वह वादी मुकदमा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से राजस्थान से प्रतापगढ़ पहुंचे थे। तभी एसटीएफ ने प्रतापगढ़ के हरिहरपुर सिंध ाौर, लीलापुर निवासी

पिता–पुत्र को दबोच लिया। दोनों ने पूछताछ में साजिश का राजफाश करते हुए बताया कि वह अलग–अलग राज्य में रहकर ट्रक चलाते थे। एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेश प्रताप सिंह ने बताया कि हरिहरपुर गांव में ट्रैक्टर से खेत की जुताई को लेकर रज्जाक की गोली मारकर हत्या की गई थी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद आरोपित घर छोड़कर फरार हो गए। तब प्रतापगढ़ पुलिस ने दोनों पर एक–एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

उप-चुनाव के पहले CM का फूलपुर दौराः मंत्री और अफसरों ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा, 4 सितंबर को आएंगे योगी

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव के बाद 10 विधानसभा सीटों पर उप–चुनाव होने हैं। राजनीतिक दलों के लिए यह उप–चुनाव इसलिए भी अहम क्योंकि यूपी में 2027 में विध ाानसभा का चुनाव है। यही कारण है कि यह उप–चुनाव 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। बीते लोकसभा चुनाव में इस सीट पर यहीं के विधायक प्रवीण कुमार पटेल कमल खिलाने में सफल तो रहे लेकिन सपा प्रत्याशी से जीत का मार्जिन बहुत कम रहा। अब फूलपुर विधानसभा की इस सीट पर भाजपा अब एक बार फिर मैदान में उतरने की तैयारी में है। प्रदेश के मुखिया व सीएम योगी आदित्यनाथ विधानसभा क्षेत्र में 4 सितंबर को आ रहे हैं। फूलपुर में युवाओं को साधेंगे मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ फूलपुर के इफको में आयोजित होने वाले रोजगार मेले का उद्घाटन करेंगे। साथ ही 10 हजार से ज्यादा युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन बांटेंगे। वह 500 करोड़ की 350 परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। मंत्री, विधायक व अफसरों ने किया स्थलीय निरीक्षण सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने जनप्रतिनिधियों व आला अफसरों के साथ इफको में होने वाले कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। जनसभा पंडाल, रोजगार मेला व ऋण वितरण स्थल, बैठक स्थल पर की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के साथ–साथ हेलीपैड स्थल, पार्किंग स्थल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल, विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्या के अलावा पुलिस आयुक्त तरूण गाबा, मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल, मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार व अन्य मौजूद रहे। मुख्यमंत्री यहां के जनप्रतिनिधियों व पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक भी कर सकते हैं। उपचुनाव व महाकुंभ के संबंध में वार्ता कर सकते हैं। करीब 4 घंटे तक वह यहां रह सकते हैं।

पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह समेत दो के खिलाफ चार्जशीट, लोकसभा चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

प्रयागराज। करेली में शनिवार को गठबंधन प्रत्याशी के पिता व पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह के मतदान केंद्र के बाहर पहुंचने पर हंगामा हो गया। सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, आचार संहिता उल्लंघन के साथ चुनाव प्रभावित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर उन्हें मय चालक हिरासत में ले लिया गया। फिर आवश्यक कार्रवाई के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मामले में चालक व 50 अज्ञात समर्थकों को भी आरोपी बनाया गया है। उध ार, पूर्व सांसद ने पुलिस पर अभद्रता का आरोप लगाया। पूर्व सांसद प्रयागराज लोकसभा सीट से गठबंधन प्रत्याशी उज्ज्वल रमण सिंह के पिता हैं। वह शनिवार शाम चार बजे के करीब अचानक करेली के 60 फीट रोड पर स्थित राजस्व प्रशिक्षण मतदान केंद्र के पास पहुंच गए। उनके पहुंचते ही वहां समर्थकों की भीड़ जुट गई। जानकारी पर पहुंचे एसीपी करेली पुष्कर वर्मा से उनकी नोकझोंक भी हुई। इसके बाद उन्हें थाने में लाकर मुकदमा पंजीकृत किया गया। बाद में प्रत्याशी उज्ज्वल रमण के पहुंचने पर उन्हें आवश्यक कार्रवाई के बाद छोड़ दिया गया। उधर, सपा प्रदेश कार्यालय लखनऊ में निर्वाचन कार्य देख रहे केके श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने घटना के संबंध में प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से बात की है। पुलिस का आरोप रिपोर्ट करेली थाने के दरोगा मनीष कुमार राय की तहरीर पर दर्ज की गई। इसमें बताया कि मतदान के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि रेवती रमण सिंह वाहन में गनर के साथ आकर मतदान केंद्र लेखपाल प्रशिक्षण केंद्र के सामने रुके हैं। समर्थकों को अपने प्रत्याशी के पक्ष में वोट डालने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मौके पर पहुंचने पर देखा कि वहां काफी भीड़ लगी थी। रेवती रमण फॉर्च्यूनर कार में चालक चंद्रशेखर व दो गनर संग बैठे थे।

वाहन पास मांगने पर चालक ने जिला निर्वाचन, प्रयागराज का सात मई को निर्गत वाहन पास दिखाया जिसमें 23 मई 2024 की शाम पांच बजे तक अनुमति अंकित है। निर्देश के विपरीत पास वाहन के शीशे पर भी चस्पा नहीं था। वाहन के आगे दाहिने तरफ सपा का झंडा लगा था व अंदर तीन और झंडे लगे मिले। आरोप है कि सपाइयों ने पुलिस के विरुद्ध मुर्दाबाद का नारा लगाने लगे व अमर्यादित बातें करते हुए चुनाव बहिष्कार व किसी भी मतदाता को वोट नहीं डालने देने की बात कहने लगे। काफी समझाने के बाद भी शांत नहीं हुए और समर्थकों समेत पुलिस पार्टी पर सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास करने लगे। मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिया जा रहा था। यह शिकायत मिलने पर मैं करेली गया। वहां पुलिस अफसर ने अभद्रता की। इसके बाद मुझे थाने चलने को कहा गया, जिस पर मैं थाने में जाकर बैठ गया। अभद्रता के मामले में मैं भी पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा लिखाऊंगा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बस्ती के DM और DPRO पर लगाया 10 हजार हर्जाना

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बस्ती के क्ड रवीश गुप्ता और क्च्त्व् पर 10 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। वेतन से सरचार्ज कटौती का आदेश रद्द होने के बाद भी वसूली की गई। इस पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ सरचार्ज लगाते हुए वेतन से कटौती करने के क्ड के आदेश को हाईकोर्ट से रद्द होने के बावजूद

वसूली जारी रखने को अवैध करार दिया। इसे कोर्ट ने अवमानना मानते हुए सख्त टिप्पणी की। कहा– विश्वास करना कठिन है कि हाईकोर्ट के आदेश को अधिकारी न मानें। इसे कोर्ट ने अवमानना मानते हुए आदेश दिया है कि याची के वेतन से कटौती नहीं की जाएगी। वेतन से 1.40 लाख की कटौती हो चुकी जस्टिस जेजे मुनीर ने यह आदेश कुसुम लता सिंह की याचिका पर दिया है। याचिका पर एडवोकेट शेख मुअज्जम ने पक्ष रखा। बस्ती निवासी याची पर क्ड ने 28 अक्टूबर 2022 को 8.70 लाख रुपए सरचार्ज लगाया था। साथ ही 10 हजार रुपए हर महीने वेतन से कटौती का आदेश दिया। याची के वेतन से 1.40 लाख की कटौती की जा चुकी है। याची ने क्ड के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने क्ड रवीश गुप्ता को दो माह में जांच कर नियमानुसार आदेश देने का निर्देश दिया था। इसके बाद भी कटौती जारी रही। इस पर कुसुम लता सिंह ने दोबारा यह याचिका दायर की। कोर्ट ने क्ड से सफाई मांगी। बस्ती के क्ड रवीश गुप्ता की सफाई को कोर्ट ने अतार्किक माना। कहा– जब आदेश रद्द कर दिया गया तो वसूली कैसे सही मानी जा सकती है।

कुंभ से पहले क्या मेरठ से प्रयागराज पहुंचेगा गंगा एक्सप्रेस-वेः 43ः काम बाकी

प्रयागराज। गंगा एक्सप्रेस–वे को लेकर हमने टारगेट दिया है, दिसंबर 2024 से पहले इसका कैरिज–वे तैयार करके दीजिए। ताकि पश्चिमी यूपी के लोग प्रयागराज महाकुंभ में आकर स्नान कर सकें। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने 1 अगस्त को विधानसभा में ये बात कही थी। 10 अगस्त को औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी 594 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस–वे के काम का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने भी दिसंबर 2024 तक की डेडलाइन दी। अधिकारियों से कहा– 31 दिसंबर तक किसी भी हालत में एक्सप्रेस–वे का फर्स्ट कैरिज–वे (सड़क का मुख्य हिस्सा, जिस पर गाड़ी चलती है) तैयार करके दें। अब बड़ा सवाल है, क्या 31 दिसंबर 2024 तक यह पूरा हो पाएगा? क्या पश्चिमी यूपी के लोग एक्सप्रेस–वे के जरिए जनवरी 2025 में होने वाले महाकुंभ में पहुंच पाएंगे। काम पूरा होने में कहां चुनौती है? एक्सप्रेस–वे की खूबियां क्या हैं? इसका जवाब जानने के लिए दैनिक भास्कर की टीम ने मेरठ से लेकर प्रयागराज तक 12 जिलों में एक्सप्रेस–वे का काम देखा। कर्मचारी से लेकर इंजीनियर और अधिकारियों से बात की। पहले जानिए गंगा एक्सप्रेस–वे बनने से क्या फायदे होंगे प्रयागराज से मेरठ की दूरी वाया कानपुर 648 किलोमीटर है। गंगा एक्सप्रेस–वे बन जाने से यह दूरी 600 किमी रह जाएगी। अभी टाइम 10–12 घंटे लगता है, जो 6–8 घंटे रह जाएगा। यानी 4 घंटे का समय कम लगेगा और जाम से राहत मिलेगी।

माफिया अतीक के रिश्तेदारों ने दुकान, मकान पर कब्जा किया, वसूल रहे किराया

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ की मौत के बाद भी रिश्तेदार और करीबियों की दबंगई थमी नहीं है। पुलिस की जांच में साफ हो रहा अतीक–अशरफ के रिश्तेदारों ने वक्फ बोर्ड की करोड़ों की संपत्ति कब्जा की हुई थी। अशरफ की फरार पत्नी जैनब फात्मा के खिलाफ 50 करोड़ की संपत्ति कब्जा करने का केस दर्ज है। अब अशरफ के ससुर और साढ़ू व तीन अन्य करीबियों का मामला सामने आया है। इन लोगों ने वक्फ बोर्ड की जमीन पर दुकान, मकान पर कब्जा किया। साथ ही किराया भी वसूल रहे हैं। पुलिस ने जांच शुरू कराई तो पूरामुफ्ती और एयरपोर्ट थाना क्षेत्रों के कई इलाकों में

वक्त संपत्तियों को कब्जा करने, बेचने के मामले सामने आ गए। अब पूरामुफ्ती थाने में अशरफ के रिश्तेदारों पर केस दर्ज हुआ है। मुतवल्ली और वक्फ बोर्ड की जमीन की देखरेख करने वाले का आरोप है कि वक्फ की जमीन पर बने मकान और दुकान का ताला तोड़कर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया। विरोध पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। केयर टेकर माबूद अहमद की तहरीर पर पूरामुफ्ती पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दर्ज हुआ केस, खाली होगी जमीन पूरामफ्ती के रहने वाले माबूद अहमद ने तहरीर दी है कि वह वक्फ बोर्ड के मुतवल्ली अम्माद हसन निवासी उमरपुर नींवा की ओर से जमीन की देखरेख करने के लिए नियुक्त है। वक्फ बोर्ड की संपत्ति नंबर 67 जो कि अकबरपुर सल्लाहपुर में स्थित है। आरोप है कि वक्फ की इस भूमि पर बने मकान और दुकान पर भू माफिया गुड्डू, मकसूद निवासीगण हटवा, अशरफ के ससुर मंसूर अहमद और साढ़ू अरसद व फैज मेडिकल स्टोर ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। दुकानों का किराया भी वसूल रहे हैं। आरोपी भूमाफिया हैं और माफिया अशरफ के रिश्तेदार हैं। केयरटेकर का कहना है कि वह दुकानदारों से किराया वसूलने जाता है तो उसे जान से मारने की धमकी दी जाती है। कहा जाता है कि किराया हम लेंगे।

पत्नी के पागल होने का आरोप साबित किए बगैर नहीं मिल सकता तलाक, परिवार अदालत के इनकार के खिलाफ अपील खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि पागलपन के आधार पर पत्नी से तलाक की मांग करने वाले पति पर साक्ष्यों के आधार पर दावे को साबित करने का भार होता है। आरोप साबित न कर पाने के कारण तलाक न देने के आदेश के खिलाफ अपील कोर्ट ने खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की खंडपीठ ने फतेहपुर के एक दंपत्ति की अपील पर दिया। फतेहपुर निवासी याची का विवाह 2005 में हुआ था। लगभग सात वर्षों तक पति पत्नी एक साथ रहे। उनकी दो बेटियां हुईं। विवाद के चलते पति–पत्नी जनवरी 2012 से अलग–अलग रह रहे हैं। पति ने पत्नी पर पागलपन और क्रूरता के आधार पर परिवार अदालत में तलाक के लिए अर्जी दाखिल की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया।

संक्षिप्त

ग्राम प्रधान, लेखपाल व दो सिपाहियों के खिलाफ केस दर्ज

लखनऊ, एजेंसी। अमेठी थाना क्षेत्र जगदीशपुर के खौपुर निवासी एक युवक ने न्यायालय के आदेश पर ग्राम प्रधान, हलका लेखपाल और दो सिपाहियों के खिलाफ एससी–एसटी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।जगदीशपुर थाना क्षेत्र के खौपुर मजरे शेखपुर निवासी राम भारत ने न्यायालय के आदेश पर ग्राम प्रधान कृष्णनाथ, हलका लेखपाल संदीप मिश्रा, हलका सिपाही राहुल और लालमणि के खिलाफ केस दर्ज कराया है।आरोप है कि 24 जुलाई 2008 को उसे मत्स्य पालन का पट्टा मिला था। पट्टे की भूमि के किनारे उसने यूकेलिप्टस के 85 पौधे व सागौन के 90 पौधे लगा दिए थे। 24 फरवरी को चारों लोग एक राय होकर 85 पेड़ को कटवाकर उठा ले गए।बाद में फिर बचे पेड़ों की कटान शुरू कर दी। मना करने पर आरोपी उसे जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुएगालियां देने लगे तो उसने डायल 112 को बुला लिया। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी भाग निकले। जब वह मामले की शिकायत लेकर थाने पहुंचा तो दरोगा ने डांटकर भगा दिया।पीड़ित नेएसपी अमेठी से शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मजबूर होकर उसने न्यायालय की शरण ली। इस संबंध में कोतवाल जगदीशपुर के मुताबिक केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

राजेश वर्मा ने संभाला राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार

उपाध्यक्ष और सदस्यों ने भी किया पदभार ग्रहण

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नए अध्यक्ष राजेश वर्मा ने मंगलवार को औपचारिक रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। यह नियुक्ति राज्य के पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्यों, जातियों के सम्मेलन, रक्षा उपायों से संबंधित शिकायतों के समाधान और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए योजनाएं बनाने के उद्देश्य से की गई है। इस अवसर पर राजेश वर्मा के साथ उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल और सदस्यों के रूप में मेला राम पवार, वासुदेव मौर्य, विनोद यादव, शिवमंगल बियार, लक्ष्मण सिंह, डॉ. मुराहू राजभर, प्रमोद सैनी, करूणा शंकर पटेल, रामशंकर साहू, विनोद सिंह और कु. ऋचा राजपूत ने भी अपने पदों का कार्यभार संभाला।कार्यभार ग्रहण करने के दौरान उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री जसवन्त सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ मिश्रिख के सांसद अशोक रावत, सचिव राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग मनोज कुमार सागर, जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, पूर्व विधायक सुनील वर्मा और प्रमुख जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

पर्यटन मंत्री आज वाराणसी में,करेंगे समीक्षा और जनसुनवाई

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री तथा प्रभारी मंत्री वाराणसी जयवीर सिंह कल 04 सितम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे प्रधानमंत्री के संसदीय कार्यालय में जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। इसके उपरान्त अपराह्न 04 बजे सर्किट हाउस वाराणसी में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। जयवीर सिंह लगभग 04 बजे शूलकटेश्वर महादेव मंदिर माधवपुर वाराणसी में दर्शन पूजन करने के उपरान्त विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। 05 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से पुलिस थाना, अस्पताल, विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण करेंगे।पर्यटन मंत्री अपराह्न 02 बजे सर्किट हाउस के सभागार में वाराणसी के विभागों के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। अपराह्न 04 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे और लगभग रात्रि 09 बजे तक लखनऊ पहुंचने की संभावना है।

न्यूनतम पेंशन बढ़ाने हेतु सांसद को सौपा ज्ञापन

लखनऊ, एजेंसी। ईपीएस–95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में देशभर में सभी दलों के सांसदों को ज्ञापन देने का अभियान चलाया जा रहा है। समिति के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा के एक कार्यक्रम में राज्य लसभा सांसद गीता शाक्य को ईपीएस–95 पेंशनरों की समस्याओ को बताकर सार्वजानिक उपक्रमों एवं निजी क्षेत्र के पेंशनरों की न्यूनतम पेंशन बढ़ाने और मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान कराने हेतु एक ज्ञापन दिया। सांसद द्वारा कहा गया कि वह पेंशनरों की मांगे पूरी कराने के लिए प्रधानमंत्री और श्रम मंत्री को पत्र लिखेंगी ।प्रतिनिधिमंडल में समिति के राष्ट्रीय सचिव राजीव भटनागर, प्रांतीय सचिव राज शेखर नागर, प्रांतीय कोषाध्यक्ष दिलीप पांडे, मुख्य समन्वयक उमाकांत सिंह विसेन, एसके त्यागी, जीके बहल तथा गिरिजा शंकर तिवारी शामिल थे।

चलती कार में लगी आग, फायर ब्रिगड ने पाया काबू

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में पीजीआई चौराहे पर चलती कार में आग लग गई। जिससे अफरा–तफरी मच गई। वहीं सुरक्षा को देखते हुए चौराहे पर ट्रैफिक को रोक दिया, जिससे लंबा जाम लग गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक कार पूरी तरह से जल गई। गाड़ी मालिक अभिषेक त्रिपाठी ने बताया, अपनी कार (फोर्ड फीगो, यूपी 32 डीपी 2769) से गोमतीनगर की ओर जा रहा था। चौराहे पर यू टर्न लेकर गाड़ी जैसे ही मोड़ी, कार बंद हो गई। दोबारा स्टार्ट किया तो बोनट से धुआं निकलने लगा। बोनट खोलने की कोशिश की, लेकिन नहीं खुला। गाड़ी में रखा सामान जल्दी–जल्दी निकाला। इतने में गाड़ी जलने लगी। फायर विभाग को सूचना दी। अगर फायर विभाग की टीम मौके पर जल्दी आ जाती, तो शायद गाड़ी पूरी तरीके से नहीं जलती।

69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में केशव मौर्य के बाद अब अनुप्रिया पटेल के घर के बाहर प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में 69,000 शिक्षक भर्ती के मामले में अभ्यर्थियों ने आज यानि कि मंगलवार को मंत्री अनुप्रिया पटेल के आवास के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। इस दौरान धरना दे रही युवती बेहोश हो गई, जिसे इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। बता दें कि कोर्ट के आदेश आने के बाद यह मामला बढ़ता ही जा रहा है। अभ्यर्थी अपनी 3 सूत्रीय मांगों को लेकर 69 हजार शिक्षक लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि हाईकोर्ट के आदेश का पालन किया जाए, नई सूची बनाकर नियुक्त किया जाए और पुरानी सूची बनाने वालो को हटाया जाए। उधर मंत्री आशीष पटेल के आवास के अंदर प्रदर्शन कर रहे 69 हजार शिक्षक में एक युवती की तबीयत खराब हो गई। इस के बाद युवती को आशीष पटेल के आवास के अंदर ले जाया गया। जानकारी के अनुसार आशीष और अनुप्रिया फिलहाल अपने आवास पर नहीं हैं। वह प्रयागराज में हैं। लौट कर अभ्यर्थियों से मुलाकात करेंगे।

गंगानाथ झा परिसर, में स्वच्छता पखवाड़ कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराजस्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में वृहद स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वच्छता कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने किया। आज स्वच्छता कार्यक्रम के प्रथम दिवस परिसर के मुख्य द्वार के समक्ष स्थित आजाद पार्क के उद्यान की स्वच्छता विस्तृत रूप से की गयी। आजाद पार्क के विभिन्न मार्गों की स्वच्छता करने के साथ साथ परिसर के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों ने उद्यान में स्थित विभिन्न जंगली एवं कँटीले पौधों की कटाई एवं छँटाई कर सम्पूर्ण उद्यान को स्वच्छ एवं आकर्षक बनाया। स्वच्छता के विशेष मायने समझाते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने स्वच्छता को स्वस्थता की परिभाषा बताया। उन्होंने बताया कि जो स्वच्छ है वही स्वस्थ है। आज देश और समाज को स्वच्छता को अपनी आदत बनाने की आवश्यकता है। स्वच्छता का कार्यक्रम केवल एक दो दिन ही नहीं अपितु जीवन पर्यन्त चलते रहना चाहिए। उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के समस्त उपाय अपनाने का महत्व समझाते हुए उन्होंने सभी को नियमित रूप से प्रतिदिन एक घण्टे स्वच्छता के कार्य हेतु अर्पित करने का संकल्प दिलाया तथा स्वच्छता को मानवता की सर्वोच्च सेवा बताया। कार्यक्रम का संयोजन परिसर के साहित्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुरेश पाण्डेय ने किया। उक्त अवसर पर प्रो. अपराजिता मिश्रा, डा. धीरज कुमार मिश्र, डा. श्याम सुन्दर पाण्डेय, राजेशकान्त तिवारी, शुभश्री दास, संजय कुमार मिश्र, विजय कुमार मिश्र, विपिन द्विवेदी, रोचक त्रिपाठी सहित परिसर के समस्त अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

छठ उत्सव में भजन और ठहाकों ने बांधी समां

करछना। क्षेत्र के भीरपुर स्थित रिपोर्टिंग पुलिस चौकी में आयोजित श्रीकृष्ण छठ समारोह में भजन और ठहाकों ने खूब समां बांधी। चौकी परिसर स्थित मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इस दौरान मंच पर आमंत्रित चर्चित हास्य कवि और मंच संचालक अशोक बेशरम ने सामाजिक विकृतियों और राजनैतिक विसंगतियों पर कटाक्ष करते हुए अपनी अवधी और खड़ी बोली की कई रचनाओं पर खूब तालियां बटोरी। उन्होंने कार्यक्रम संचालन के दौरान,जस उदई तस भान, बतावा का होई।जइसी नयी दरोगा आईं, रामनगर कै थाने मा। जिंदगी ही हमें जी रही है,हम कहां जिंदगी जी रहे हैं और विचार है,ना कोई धारा है,यही अपनी विचारधारा है,जैसे शीर्षक की कई हास्यव्यंग्य कविताओं पर खूब ठहाके लगवाये।सब इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने, करते हो तुम कन्हैया,मेरा नाम हो रहा है जैसे कई भजन,गीत प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। चौकी प्रभारी अमित सिंह ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप का पूजन,अर्चन,आरती कर सभी के प्रति स्वागत आभार प्रकट करते हुए मंच पर हास्य कवि को सम्मानित भी किया।प्रसाद वितरण के उपरांत आयोजित भण्डारे में लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।इस मौके पर थाना करछना के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण मोहन सिंह,डॉ. बबलू पाण्डेय,धर्मराज पटेल, डॉ,दिनेश सोनी,दशरथ पटेल,सुशील ओझा,विनय सिंह,समेत कई प्रधान गण,समाज सेवी, प्रबुद्धजनऔर गणमान्य मौजूद रहे।

सीएमपी महाविद्यालय के भूगोल विभाग में आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रयागराज। सीएमपी महाविद्यालय के भूगोल विभाग की ओर से परास्नातक के नवप्रवेशीय विद्यार्थियों लिए एक इंडक्शन प्रोग्राम अनुप्रस्थाभिमुख्य मंगलवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि , डॉ रोहित कुमार , असिस्टेंट प्रोफेसर(फिजिक्स) उपस्थित रहे जिन्होंने विद्यार्थियों को एनपीटीएल कोर्स के बातें में जानकारी दी । कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई, जिसमें विभाग के संयोजक , डॉ आर. सी. सिंह ने छात्रों का स्वागत किया और उन्हें शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला। डॉ अर्चना त्रिपाठी (प्रोफेसर) ने छात्रों को कॉलेज की लाइब्रेरी, लैब्स, खेल सुविधाओं और अन्य संसाधनों के बारे में बताया । इसके अलावा डॉ प्रणय कांत विस्वास(असिस्टेंट प्रोफेसर)शिक्षक होने के साथ साथ अभिभावक की तरह विद्यार्थियों की सहायता करते हैं।डॉ अर्चना राजे (असिस्टेंट प्रोफेसर) ने कॉलेज के वातावरण, सुविधाओं, नियमों और संस्कृति से विद्यार्थियों जो परिचित कराया।

शोधार्थी अर्पिता सिंह, अभय प्रताप सिंह, राहुल नंदन , यशपाल रावत ने भी सहयोग दिया।

प्रोग्राम के दौरान, श्रीमती प्रतिभा सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर)

ने नए छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उन्हें कॉलेज जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। अंत में, छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए गए और कार्यक्रम का समापन डॉ उत्तरा सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर) ने धन्यवाद ज्ञापन किया । कार्यक्रम का संचालन सत्य प्रिय द्विवेदी ने किया।

इस कार्यक्रम से नए छात्रों को कॉलेज के माहौल को समझने और खुद को उसमें ढालने में मदद मिली।

मन के विहंग काव्य कृति का लोकार्पण

कानपुर। साहित्यकार सहयोग संगठन के बैनर पर

कविवर श्री त्रिभुवन शंकर मिश्र श्चातकश की काव्य कृति श्मन के विहंगश का लोकार्पण समारोह 01 सितंबर 2024 को श्री लॉन, रामपुरम, श्याम नगर,में किया गया।कार्यक्रम प्रारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा मां वाणी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया,कृतिकार की वाणी वंदना को कार्यक्रम की संयोजक सुश्री सुषमा सिंह ने स्वर प्रदान किया।

चित्रकूट ग्रामोद्योग विश्वविद्यालय के पूर्वकुलपति डॉ.लक्ष्मीकांत पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न समारोह का सफल संचालन जाने माने साहित्यकार श्रीयुत् श्रीहरि वाणी Shrihari Wani जी ने किया। सर्वप्रथम कृतिकार श्चातकश जी ने अपनी रचना प्रकिया पर विचार रखते हुए कृति श्मन के विहंगश से कुछ कविताओं का पाठ किया।

मुख्य अतिथि श्याम सुंदर निगम,विशिष्ट अतिथि डॉ. राधा शाक्य व नवगीतकार जयराम श्जयश ने लोकार्पित कृति की कविताओं पर विचार व्यक्त करते हुए कृतिकार चातक को परंपरावादी रचनाकार बताया। वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर नगर के साहित्यकारों कवियों तथा विशिष्ट जनों की उपस्थित ने लोकार्पण समारोह को सफल बनाया। जिसमें सर्व श्री हनुमान प्रसाद,जयनारायण गुप्त भारती, प्रकाशक कल्याण चौबे (ज्ञानोदय प्रकाशन),चन्द्रहास तिवारी, सतीश गुप्त, रश्मि अजय कुलश्रेष्ठ,डॉ गीता चौहान,हरिनारायण तिवारी, कैलाश बाजपेई, दिनेश चंद्र त्रिपाठी, गोविन्द नारायण शांडिल्य,अनुज मनमीत , विनय कुमार शुक्ल, संदीप कुमार , आर.एस.एस. परिहार, रामकृष्ण चौहान, अनुराग मुकुंद, आदित्य अजीब ,वेद प्रकाश संजर,अरुण तिवारी गोपाल, अशोक अचानक, दिनेश नीरज,कनकलता गौर, निधि मद्धेशिया ,राजेंद्र कुमार पांडेय ,शिवांश सरस, शैलेन्द्र राघव आदि विशेष रूप से रहे।अंत में संयोजक डॉ सुषमा सेंगर ने आगतो का आभार व्यक्त किया।

भारत–बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज का विरोध, रद हो श्रृंखला

– हिन्दू महासभा त्रिदंडी ने प्रधानमंत्री को भेजा पत्र, विरोध प्रदर्शन की चेतावनी
– बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिन्दुओं के साथ हुये अत्याचार का मामला

लखनऊ, एजेंसी। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां हिन्दुओं के साथ हुये अत्याचार व हिन्दू धार्मिक स्थलों में हुयी तोड़फोड़ के विरोध में अखिल भारत हिन्दू महासभा त्रिदंडी ने भारत में आगामी भारत–बांग्लादेश क्रिकेट टेस्ट व टी20 सीरीज रद करने की मांग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की है। इसके साथ ही पार्टी ने कहा है कि यदि केन्द्र सरकार श्रृंखला को रद करने को लेकर कोई कदम जल्द से जल्द नहीं उठाती है तो अखिल भारत हिन्दू महासभा त्रिदंडी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन लिये बाध्य होंगे। आज पार्टी के राश्ट्रीय अध्यक्ष ऋशि त्रिवेदी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजकर कहा है कि बीते दिनों बांग्लादेश में हुये तख्तापलट के बाद वहां की बहुसंख्यक मुस्लिम जनता ने अपने अल्पसंख्यक हिन्दुओं को निशाने पर लेकर उनके घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थानों पर हमले किये, हत्याओं के साथ लूटपाट की, यही नहीं हिन्दू धार्मिक स्थलों को क्षति पहुंचायी गयी। जिसके कारण हजारों की संख्या में हिन्दुओं को पलायन कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिये मजबूर होना पड़ा। बांग्लादेश में हिन्दु समुदायों के साथ हुये इन अत्याचारों के चलते पूरी दुनिया के हिन्दु समाज में आक्रोश व्याप्त है। ऐसे में अखिल भारत हिन्दू महासभा त्रिदंडी इसका पुरजोर के साथ इस भारत और बांग्लादेष के बीच क्रिकेट सीरीज का बहिष्कार और विरोध करती है। हिन्दू महासभा त्रिदंडी के राश्ट्रीय अध्यक्ष ऋशि त्रिवेदी ने कहा बांग्लादेश में हुये अत्याचार से हिन्दु समाज अभी भी उबर नहीं पाया है, बावजूद इसके भारतीय क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड बीसीसीआई आगामी 19 सितम्बर से बांग्लादेश क्रिकेट टीम के स्वागत के लिये पलक पावड़े बिछाकर दो टेस्ट और तीन टी20 मैचों की सीरीज भारत के चेन्नई में 19 से 23 सितम्बर तक पहला टेस्ट, कानपुर में 27 सितम्बर से एक अक्टूबर तक दूसरा टेस्ट, ग्वालियर छह अक्टूबर को पहला टी20, नौ अक्टूबर को दिल्ली में दूसरा टी20 और 12 अक्टूबर को हैदराबाद में टी20 मुकाबला आयोजित करने जा रहा है। जो हिन्दू समाज के दिलों को चोट पहुंचाने वाला है।

शिक्षक युग–निर्माता

शिक्षक युग–निर्माता दृढ़,
इतिहास बदलने वाला है।
सादा जीवन और निरंतर,
उच्च विचारों वाला है।।
अनुचर कभी नहीं था शिक्षक,
सदा स्वतंत्र युग–स्रष्टा है।
काल–वेधिनी ऑखों से वह,
तीन काल का द्रष्टा है।।
जन्म–काल में शिशु–तन में जो–
क्षमता–बीज छिपा होता।
पूर्ण विकास–भार उसका है,
शिक्षक निज सिर पर ढोता।।
शिशु–तन में सोती प्रतिभा कब–
कहॉ प्रकट हो सकती है?
शिक्षक की ऑखें ही केवल,
इस रहस्य को लखती हैं।।
अपना जीवन–रस दे शिक्षक,
पर–जीवन को गढ़ता है।
मनुज मात्र को अपने तन का,
अवयव सदा समझता है।।
शिक्षक कभी राम को गढ़ कर,
रावण से टकराता है।
आयुध–हीन कृष्ण चंद्र से ,
धर्मयुद्ध करवाता है।।
चाणकपुत्र जब बन कर शिक्षक,
चन्द्रगुप्त को गढ़ता है।
भ्रष्ट तंत्र की नींव उखड़ती,
विश्व शांति को बढ़ता है।।
आज विश्व में जितना भी,
विज्ञान समुन्नत दिखता है।
प्रत्येक यंत्र उसका शिक्षक की,
गौरव – गाथा लिखता है।।
शिक्षक निज मेधा से कितना–
आगे ज्ञान बढ़ाएगा ।
किस विकास के तुंग श्रृंग तक,
नर को लेकर जाएगा?।।
इसका कोई नहीं आकलन,
कभी मनुज कर पाएगा।
शिक्षक की रचना–क्षमता को,
कौन सुधी बतलाएगा?।।
शिक्षक से ही रुका हुआ है,
महानाश इस धरती का।
केवल वह ही जीवनदाता,
विश्व–मनुजता मारती का।।

रचनाकार : **डॉक्टर मिथिलेश कुमार त्रिपाठी**
प्रोफेसर हिन्दी विभाग
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पट्टी, प्रतापगढ़ (उ प्र)
सम्बद्ध
प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह(रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय
प्रयागराज (उ प्र) कुमार त्रिपाठी

दो पीसीएस अफसर सस्पेंड, अपात्रों को दिया था जमीन का पट्टा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने हरदोई में नियम विरुद्ध अपात्रों को जमीन का पट्टा देने के मामले में दो पीसीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। ये अफसर एडीएम न्यायिक फर्रुखाबाद स्वाति शुक्ला व एसडीएम एटा प्रतीत त्रिपाठी हैं। आरोप है कि इन्होंने हरदोई में तैनाती के दौरान नियम विरुद्ध 71 अपात्रों को कृषि भूमि का पट्टा दिया था।दोनों को ही राजस्व परिषद से संबद्ध कर दिया गया है।नियुक्ति विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज ने हरदोई के डीएम की रिपोर्ट के आधार पर दोनों अधिकारियों के निलंबन के आदेश जारी कर दिए। जांच लखनऊ की मंडलायुक्त को दी गई है। यह मामला हरदोई सदर तहसील की ग्राम पंचायत फरीदापुर में 2022 लेकर मई 2023 के बीच का है। 150 बीघे से अधिक कृषि भूमि का पट्टा किया गया था। जांच में पाया गया कि जिन्हें कृषि भूमि का पट्टा दिया गया उनके पास पहले से ही भूमि थी।

राष्ट्रीय चेतना समिति ने 1000 लोगों को सम्मानित किया

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय चेतना सेवा समिति और भारतीय स्वदेशी उद्योग व्यापार मंडल द्वारा महिला शक्ति, व्यापारियों, मेधावी विद्यार्थियों और वृद्धजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यों के तहत पुरस्कारों और सामग्री का वितरण किया गया। समारोह का शुभारंभ माननीय मनीष गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय चेतना सेवा समिति और भारतीय स्वदेशी उद्योग व्यापार मंडल ने भगवान राधा कृष्ण जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। उन्होंने संगठन द्वारा किए जा रहे सामाजिक और धार्मिक कार्यों की सराहना की और पदाधिकारियों को प्रशंसा पत्र दिए। इस दौरान उन्होंने एकता बनाए रखने पर जोर दिया। समारोह में आने वाले अतिथियों को शॉल, मोती की माला, पगड़ी, तुलसी का पौधा, बैग, और अन्य उपहार दिए गए। पंकज गुप्ता,सत्यम गुप्ता,संतोष गुप्ता पप्पू, रामकुमार गुप्ता रामू, डॉक्टर अमित गुप्ता, रामशंकर गुप्ता, सुनील गुप्ता, गीता गुप्ता,उर्मिला गुप्ता, निर्मला गुप्ता, रानी गुप्ता, मीनू गुप्ता, मुस्कान गुप्ता, उमेश गुप्ता,वरुण गुप्ता, इंद्रप्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

योगी के बुलडोजर से मायावती को एतराज

लखनऊ, एजेंसी। संगठित अपराध पर नकेल कसने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार की बुलडोजर की कार्रवाई पर एतराज जताते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को कहा कि अदालत के आदेश के मुताबिक ही बुलडोजर का इस्तेमाल किया जाना चाहिये। उन्होने यह भी कहा कि आपराधिक तत्वों पर कार्रवाई कानून के दायरे के तहत ही होना चाहिये और आपराधिक तत्वों अथवा उनके रिश्तेदारों पर बुलडोजर की कार्रवाई होने की बजाय उन अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिये जो पीड़ितों को सही न्याय नहीं देते हैं। सुश्री मायावती ने एक्स पर सिलेसिलेवार पोस्ट में कहा " देश में आपराधिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई कानून के तहत् होनी चाहिए तथा इनके अपराध की सजा उनके परिवार व नजदीकी लोगों को नहीं मिलनी चाहिए।

सम्पादकीय.....

आत्मघात की त्रासदी

यह किसी राष्ट्र के लिये शर्मसार करने वाली स्थिति है कि उसके युवा बड़ी संख्या में आत्महत्या में मुक्ति की राह तलाश रहे हैं। हाल के दिनों में छात्रों की बढ़ती आत्महत्याएं विचलित करने वाली हैं। सबसे दुखद यह है कि छात्रों की आत्महत्या की संख्या किसानों की आत्महत्या से ज्यादा हो गई है। हालांकि, आत्महत्या के मामले में किसी भी वर्ग से तुलना नहीं की जा सकती है, लेकिन सुनहरे भविष्य के सपने देखने वाली संभावना का असमय अंत पीड़ादायक है। ऐसे में देश के नीति–नियंताओं को इस भयावह संकट का तात्कालिक समाधान तलाशना चाहिए। हाल ही में आईसी–3 संस्थान की रिपोर्ट इस भयावह संकट पर प्रकाश डालती है। रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2021 के दशक में देश के 13,089 छात्रों ने आत्महत्या की। जो कि पिछले दशक की तुलना में 57 फीसदी अधिक है। जो निश्चय ही बड़ी चिंता का विषय है। दरअसल, लगातार बढ़ते शैक्षणिक दबाव, जबरन कैरियर विकल्प देने, मानसिक स्वास्थ्य संघर्ष और वित्तीय बोझ युवाओं को निराशा के गर्त में धकेल रहा है। आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के आंकड़ों से स्थिति की गंभीरता पता चलता है। जहां वर्ष 2019 और 2023 के बीच 69 छात्रों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पिछले वर्षों में कोटा के कोचिंग संस्थानों में युवा छात्रों के जीवन समाप्त करने का ग्राफ बढ़ा है। इन बेहद कष्टकारी आंकड़ों पर मंथन करके नीति–नियंताओं को युवा मन की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, यह एक हकीकत है कि देश में युवाओं को योग्यता अनुसार रोजगार के अवसर मिलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन घोषणावीर नेतृत्व इस हकीकत को गंभीरता से नहीं ले रहा है। नौकरी के अभाव में हताशा में जीने वाला युवा एक दमघोंटू माहौल में जी रहा है। सीमित संख्या में घोषित होने वाली नौकरियों के लिए लाखों बेरोजगारों के आवेदन संकट का चित्र उकेरते हैं। सरकारों को वास्तविक रोजगार अभियान चलाकर युवाओं का मनोबल बढ़ाना चाहिए। घटते रोजगार के अवसर युवाओं में हताशा पैदा कर रहे हैं। जिसके कालांतर आत्मघाती परिणाम सामने आते हैं। निस्संदेह, परिवार के लोगों की भी बच्चों के कैरियर में मार्गदर्शन की बड़ी भूमिका होती है। अभिभावकों को चाहिए कि कैरियर के मामले में वे अपनी इच्छाओं को थोपने के बजाय बच्चों की रुचि के अनुरूप रोजगार के विकल्प तलाशने में उनकी मदद करें। अपनी मनपसंद के व्यवसाय में युवा अच्छी सफलता पाते हैं और पूरे मनोयोग से अपने लक्ष्य विपरीत परिस्थितियों में भी हासिल कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर स्कूल–कॉलेजों में ऐसे रोजगारपरक कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, जिससे कमजोर छात्रों को बेहतर करने का अवसर मिल सके। इस कार्य में शिक्षक अकादमिक मार्गदर्शन के साथ ही उन्हें सशक्त भावनात्मक संबल भी प्रदान कर सकते हैं। लेकिन सबसे व्यावहारिक समाधान रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने का है। जिससे छात्र कोई आत्मघाती कदम उठाने से बच सकें। हमें उनके उज्ज्वल भविष्य के अनुरूप वातावरण तैयार करने की पहल युद्धस्तर पर करनी चाहिए। युवाओं का आत्मघात की राह पर बढ़ना बेहद त्रासदी की बात है।

महिला सम्मान पर श्री खड़गे के सवाल

एजेंसी

राष्ट्रपति मुर्मू ने जो बातें कहीं हैं, उनसे असहमत नहीं हुआ जा सकता, लेकिन जब प.बंगाल के मामले में भाजपा लगातार विरोध–प्रदर्शन कर रही है, तभी राष्ट्रपति ने ऐसी चिंता क्यों जाहिर की, इस पर सवाल उठने लगे हैं।

प.बंगाल मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बयान के बाद देश में महिलाओं की स्थिति और उनकी सुरक्षा को लेकर नए सिरे से बहस छिड़ गई है। लेकिन इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक लंबी पोस्ट में जिन बिंदुओं को उठाया है, उन पर भी गौर किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति महोदया ने बस बहुत हो गया, यह कहते हुए 12 साल पहले हुए निर्भया कांड को भी याद किया और कहा कि 12 वर्षों में इसी तरह की अनगिनत त्रासदियां हुई हैं, हालांकि केवल कुछ ने ही पूरे देश का ध्यान खींचा। जैसे–जैसे सामाजिक विरोध कम होते गए, ये घटनाएं सामाजिक स्मृति के गहरे और दुर्गम कोने में दब गईं, जिन्हें केवल तभी याद किया जाता है जब कोई और जघन्य अपराध होता है। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि सामाजिक पूर्वाग्रहों के साथ–साथ कुछ रीति–रिवाजों और प्रथाओं ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों में अड़चन डाली है। राष्ट्रपति मुर्मू ने जो बातें कहीं हैं, उनसे असहमत नहीं हुआ जा सकता, लेकिन जब प.बंगाल के मामले में भाजपा लगातार विरोध–प्रदर्शन कर रही है, तभी राष्ट्रपति ने ऐसी चिंता क्यों जाहिर की, इस पर सवाल उठने लगे हैं। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी देश में महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों पर चिंता जाहिर की है। लेकिन इसमें श्री खड़गे ने एक खास बात कही है कि हमें 'बेटी बचाओ' नहीं 'बेटी को बराबरी का हक सुनिश्चित करो' चाहिए।' उन्होंने कहा कि महिलाओं को संरक्षण नहीं, भयमुक्त वातावरण चाहिए। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में जनवरी 2015 में हरियाणा से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी। इसके जरिए महिला सशक्तीकरण की बात कही गई थी। लेकिन समय के साथ यह अभियान एक नारे में सिमट कर रह गया। कालांतर में कभी नारी शक्ति की बात प्रधानमंत्री मोदी ने की, कभी महिला आरक्षण विधेयक को नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम देकर पारित करवा दिया। लेकिन धरातल पर महिलाओं की शक्ति को किसी न किसी तरह अपमानित करने का सिलसिला चलता रहा। महिलाओं को बराबरी का हक ससम्मान देने की जगह उन्हें खैरात में देने की मानसिकता इस तरह की पहलों में नजर आने लगी। इसलिए अब मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि महिलाओं को संरक्षण नहीं भयमुक्त वातावरण चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया है कि हर दीवार पर श्बेटी बचाओश पेंट करवा देने से क्या सामाजिक बदलाव आएगा या सरकारें और कानून व्यवस्था सक्षम बनेंगी? क्या हम ऐहतियाती कदम उठा पा रहे हैं? क्या हमारा आपराधिक न्याय तंत्र सुधरा है? क्या समाज के शोषित व वंचित अब एक सुरक्षित वातावरण में रह पा रहे हैं? श्री खड़गे ने पूछा है कि क्या सरकार और प्रशासन ने वारदात को छिपाने का काम नहीं किया है? क्या पुलिस ने सच्चाई छिपाने के लिए पीड़िताओं का अंतिम संस्कार जबरन करना बंद कर दिया है? कांग्रेस अध्यक्ष के इन ज्वलंत सवालों ने भाजपा के शासनकाल में महिला सुरक्षा, महिला सम्मान, नारी शक्ति का अभिनंदन, बेटियों को बचाने और पढ़ाने के दावे, सब को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जब राष्ट्रपति महोदया बंगाल की घटना के बाद अपने डर और निराशा को प्रकट कर रही थीं, तब उप्र के फर्रूखाबाद में दो नाबालिग लड़कियों के परिजन इस सवाल पर परेशान थे कि उनकी बेटियों की मौत कैसे हुई, क्यों उनके शव पेड़ से लटकते मिले, जिसे आत्महत्या कहा जा रहा है, क्यों उनकी बेटियों के अंतिम संस्कार की जल्दबाजी पुलिस ने दिखाई है। इन सवालों के जवाब शायद ही उन लाचार परिजनों को मिलें, क्योंकि इससे पहले भी उप्र में एक बलात्कार की शिकार युवती के शव को पेट्रोल छिड़ककर जला दिया गया और उसे अंतिम संस्कार का नाम दिया गया। उप्र ही नहीं देश के अनेक राज्यों में पुलिस थानों में पीड़िताओं या उनके परिजनों के साथ संवेदनापूर्ण व्यवहार नहीं होता है। बल्कि कई मामलों में तो यह देखा गया है कि आरोपी अगर रसूखदार हुआ तो पीड़ित पक्ष को थाने में भी अपमानित या उत्पीड़ित होना पड़ता है। यह व्यवहार तभी सुधर सकता है, जब पुलिस प्रशिक्षण के दौरान संवेदना के पक्ष को कुछ और वजनदार करके प्रस्तुत किया जाए। श्री खड़गे ने महिलाओं को संरक्षण बनाम भयमुक्त वातावरण को लेकर जो सवाल उठाया है, उस पर भी समाज को गौर करने की जरूरत है, क्योंकि यह सवाल केवल किसी सरकार के नजरिए से सुलझाया नहीं जा सकता। मनुस्मृति की सोच है कि महिलाओं को पहले पिता, फिर पति और फिर बेटे के संरक्षण में रहना चाहिए, इसी सोच पर समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी चलता है। यह सोच इसलिए पनपी क्योंकि पुरुषों के रवैये ने महिलाओं को हमेशा संभल कर रहने, बच कर रहने का अहसास कराया। अगर समाज महिला और पुरुष में बराबरी की भावना शुरु से कायम रखे, यानी अगर परिवारों से ही इसकी शुरुआत हो कि लड़का और लड़की में सिवाय शारीरिक संरचना के कोई और अंतर नहीं है और इसलिए कोई किसी से दोयम नहीं है, तो समाज में भी यही माहौल बनेगा। इसके बाद महिलाओं के लिए सही में भयमुक्त वातावरण बनेगा और किसी के भय से संरक्षण की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मानवता के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभर रहे हैं परमाणु ऊर्जा संयंत्र

डॉ. अरुण मित्रा

पहले जापोरिज्जिया और अब कुर्स्क में परमाणु ऊर्जा संयंत्र खतरे में हैं, जो अत्यधिक चिंता का विषय हैं। संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (एआईईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने 27 अगस्त को रूस के कुर्स्क परमाणु संयंत्र के दौरे के दौरान चेतावनी दी कि स्थिति बहुत गंभीर है क्योंकि यह संयंत्र युद्ध क्षेत्र से मुश्किल से 50 किलोमीटर दूर स्थित है। आईएईए ने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए खतरे के बारे में कई चेतावनियां जारी की हैं, खासकर रूसी सेना द्वारा दक्षिणी यूक्रेन में जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर कब्जा करने के बाद। आईएईए प्रमुख ने चेतावनी दी कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर कभी भी हमला नहीं किया जाना चाहिए। यह एक अत्यंत गंभीर चेतावनी है जो आईएईए प्रमुख के मुंह से निकली है। श्री माइल आइलैंड, चेरनोबिल और फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र आपदाओं की भयानक यादें हमें उन क्षेत्रों में और उसके आसपास के क्षेत्रों में जीवन और बुनियादी ढांचे के भारी नुकसान की याद दिलाती हैं, साथ में विकिरणों के दीर्घकालिक परिणाम की भी। इसलिए वैश्विक समुदाय न केवल चिंतित है बल्कि भयभीत भी है कि अगर यूक्रेन में युद्ध बढ़ता है, तो परमाणु दुर्घटना के खतरे से इंकार नहीं किया जा सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी संप्रभुता या क्षेत्र को खतरा हुआ तो उनका देश परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने यह बयान 5 जून 2024 को दिया जब वे रूस द्वारा 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के वरिष्ठ संपादकों से व्यक्तिगत रूप से मिले। रूस–यूक्रेन क्षेत्र के अलावा, गाजा में महिलाओं और बच्चों पर चल रहा इजरायली आक्रमण दिल दहला देने वाला है। गाजा के नागरिकों को मवेशियों के झुंड की तरह इधर–उधर धकेला जा रहा है। इजरायली सुरक्षा बलों ने उन्हें सुरक्षित स्थानों पर जाने या मौत का सामना करने के लिए कहा है। लेकिन तथाकथित सुरक्षित स्थानों पर भी हमले किये जाते हैं और बच्चों और महिलाओं को बिना किसी दोष के मार दिया जाता है। 7 अक्टूबर से, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य सुविधाओं पर कुल 890 हमले दर्ज किये हैं, जिनमें से 443 गाजा में और 447 पश्चिमी तट पर हुए हैं। अस्पतालों को आम तौर पर युद्ध के समय सुरक्षित स्थान माना जाता है क्योंकि युद्धरत पक्षों से जिनेवा कन्वेंशन के अनुसार स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमला नहीं करने की अपेक्षा की जाती है, जिसमें कहा गया है कि श्घायलों और बीमारों, अशक्तऔर प्रसूति मामलों की देखभाल करने के लिए संगठित नागरिक अस्पताल किसी भी परिस्थिति में हमले का लक्ष्य नहीं हो सकते हैं, और संघर्ष में शामिल पक्षों द्वारा हर समय उनका सम्मान और संरक्षण किया जाना चाहिए।श इसलिए कई बार नागरिक सुरक्षा के लिए अस्पतालों में जाने की कोशिश करते हैं। गाजा में गंभीर भीषण संकट है क्योंकि गाजावासियों तक मानवीय सहायता पहुंचने में कई बाधाएं हैं। डब्ल्यू एच ओ और यूनिसेफ ने बीमारियों में वृद्धि के बारे में चेतावनी दी है। निवासियों में पोलियो वायरस का पता चलने से चिकित्सा बिरादरी हिल गयी है। 40,000 से ज़्यादा लोगों की मौत 1948 के नकबा की पुनरावृत्ति है, जब दर्जनों नरसंहारों में फिलिस्तीनी अरबों को निशाना बनाया गया था और 500 से ज़्यादा अरब–बहुल शहर, गांव और शहरी इलाके उजड़ गये थे, जिनमें से कई या तो पूरी तरह से नष्ट हो गये या यहूदियों ने उन्हें फिर से आबाद कर दिया और उन्हें नए हिब्रू नाम दिये। हर गुजरते दिन के साथ युद्ध का क्षेत्र लेबनान की ओर बढ़ रहा है। यह एक गंभीर खतरा है क्योंकि ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ रहा है। इजराइल पहले से ही एक परमाणु हथियार रखने वाला देश है और ईरान के पास परमाणु शक्ति है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कैबिनेट के एक अति–दक्षिणपंथी सदस्य अमीचाई एलियाहू ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से इंकार नहीं किया है। उनके बयान को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के फैसलों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया है। कोई आश्चर्य नहीं कि इजराइल को ऐसे मामलों में अमेरिका का समर्थन प्राप्त है। यह सर्वविदित है कि युद्ध के समय मानव कल्याण के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। कई अफ्रीकी देशों में भूख, अभाव और बीमारियां आंतरिक कलह का कारण बन गयी हैं। इनमें बुर्किना फासो, कैमरून, मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सीएआई), कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, इथियोपिया, माली, मोजाम्बिक, नाइजीरिया, नाइजर, सेनेगल, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सूडान शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर इन देशों में स्थिति को आसान बनाने के बारे में बहुत कम चर्चा होती है। युद्धों का मतलब सैन्य औद्योगिक परिसरों के लिए बहुत बड़ा मुनाफा है। कहा जाता है कि वर्तमान सैन्य गतिविधि के कारण पर्यावरण को होने वाला नुकसान कुल पर्यावरणीय गिरावट का लगभग 5.4प्रतिशत है। परमाणु हथियारों की मौजूदगी ही एक बड़ा खतरा है। अगर इन हथियारों का इस्तेमाल नहीं भी किया जाता है, तो भी इनके रखरखाव में शामिल लागत का प्रभाव स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सामाजिक जरूरतों पर किये जाने वाले निवेश पर पड़ता है। परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान (आईसीएएन) ने इन हथियारों के उत्पादन और रखरखाव पर बर्बाद किये गये धन की उपयोगिता की तुलना करते हुए आंकड़े पेश किए हैं। आईसीएएन ने कहा कि दुनिया भर में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियां लोगों की

जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं, जबकि परमाणु हथियार संपन्न देशों ने 2023 में अपने परमाणु शास्त्रागार को आद्यतन करने पर 91.4अरब अमेरिकी डॉलर बर्बाद कर दिये। इसकी रिपोर्ट बताती है कि यह राशि संयुक्त राज्य अमेरिका में 718,930 नर्सों के वार्षिक वेतन को कवर करने के लिए बेहतर तरीके से खर्च की जा सकती थी जबकि खसरा, कण्ठमाला और रूबेला के खिलाफ 5,34,35,40,72,239 बच्चों का टीकाकरणय कोविड के खिलाफ 2,28,30,27,774 लोगों का टीकाकरणय एक साल के लिए अकाल से 58,70,64,285 लोगों को बचानाय 6,08,80,74,06,304 पेड़ लगानाय या 1,39,81,01,964 लोगों को एक साल का स्वच्छ जल प्रदान करना संभव था। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। देशों और समाजों को खतरे का अहसास होना चाहिए। स्थायी शांति और परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए प्रस्तावों को पारित करना और उन्हें लागू करना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का प्राथमिक कर्तव्य है। जी–20, जो शक्तिशाली देशों का एक समूह है, को परमाणु निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना चाहिए। असैन्य समाज को भी नौ परमाणुसंपन्न देशों पर परमाणु हथियारों के निषेध पर बहुपक्षीय संयुक्त राष्ट्र संधि (टीपीएनडब्ल्यू) में शामिल होने के लिए पहले से कहीं अधिक मजबूती से अपनी आवाज उठानी होगी।

चुनावी राज्यों में ध्रुवीकरण की प्रक्रिया तेज

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ। इस वर्ष की बची अवधि में जिन चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, उनमें से हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के लिये तो प्रक्रिया प्रारम्भ हो भी गयी है, वहीं महाराष्ट्र तथा झारखंड के लिये कभी भी इसका ऐलान हो सकता है। चारों ही राज्यों में भारतीय जनता पार्टी एवं उसके गठबन्धन (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस– एनडीए) की हालत पतली समझी जाती है। इसके कारण राज्यवार तो अलग–अलग हैं, लेकिन जो बात सब पर लागू होती है, वह है उसके सामने मुद्दों का अभाव। अपने कथित विकास की कोई भी बात मतदाताओं के सामने रखने में नाकाम रही भाजपा के साथ हमेशा ऐसा होता आया है। सामान्य मौकों पर विकास, खुशहाली, मजबूत अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर बड़ी जोर–जोर से ढोल पीटने वाली भाजपा चुनाव के वक्त पर हिन्दू–मुस्लिम, भारत–पाकिस्तान और श्मशान–कब्रिस्तान पर उतर आती है। लगता है कि फिर वैसा ही कुछ होने जा रहा है। हरियाणा और महाराष्ट्र में हुई दो घटनाओं का सम्बन्ध उसी गौ मांस से है, जिसके बूते भाजपा अपनी सरकारें (केन्द्र की हो या फिर राज्य की) बनाने की हमेशा जुगत करती है। गाय में श्रद्धा के नाम पर भाजपा ने देश भर में गोमांस को हमेशा से एक मुद्दा बनाकर रखा है। इसे लेकर भाजपा सियासी खेल करती रहती है। एक ओर तो वह गोमांस पर प्रतिबन्ध लगाने की बात करती है लेकिन जिन राज्यों में बीफ भोजन का हिस्सा है, वहां उसे जीवन शैली के नाम पर स्वीकारती भी है। गोवा, केरल, पूर्वोत्तर आदि के राज्यों में उसका अधिकृत रवैया यही होता है कि वह उसे स्वीकार करती चले। दूसरी तरफ उसके अथवा सहयोगी संगठनों के कार्यकर्ता देश भर में इसे लेकर उत्पात मचाते हैं। कई लोगों

की गोमांस रखने या खाने के आरोप या संदेह मात्र में पीट–पीटकर हत्याएं कर दी गयी हैं। पहली घटना हरियाणा के चरखी दादरी की है जहां पश्चिम बंगाल से मजदूरी करने गये दो व्यक्तियों को गोमांस खाने के आरोप में कुछ लोगों ने इतना पीटा कि उनमें से एक की मृत्यु हो गयी तथा एक गम्भीर रूप से घायल हो गया है। ये दोनों ही 24 परगना जिले के हैं और वहां रहकर कूड़ा बीनने का काम करते थे। वैसे पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। 3 को न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है, जबकि 4 पुलिस हिरासत में हैं। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि हंसावास खुर्द गांव की एक झुग्गी बस्ती में कुछ लोग प्रतिबंधित मांस खा रहे हैं। पुलिस ने वहां जाकर सैंपल लिया और प्रयोगशाला में भेजा। चूंकि इस पर कार्रवाई लैब की रिपोर्ट पर ही निर्भर है, इसलिये इसका इंतजार किया जा रहा था। यह घटना 27 अगस्त को हुई थी। इस बीच कुछ लोगों को इसकी जानकारी होने पर उन्होंने जाकर लिंचिंग की घटना को अंजाम दिया। घटना में शामिल दो नाबालिग हैं। पहले उन्होंने दोनों का अपहरण कर लिया और फिर अन्यत्र ले जाकर उनकी मरते या घायल होने तक पिटाई की। दूसरी तरफ वहां के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जो बयान दिया है, वह और भी स्तब्ध करने वाला है। सैनी ने मॉब लिंचिंग को तो गलत बताया परन्तु उनका यह भी कहना है कि राज्य ने गौ संरक्षण हेतु कड़ा कानून बनाया है। गोमाता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।श सैनी के अनुसार श्गोमाता में लोगों की इतनी श्रद्धा है कि यदि उन्हें (लोगों को) इस प्रकार की घटना की जानकारी हो जाये तो उन्हें कौन रोक सकता है। वे गांव के लोग हैं। अंदर क्या हुआ क्या नहीं हुआ– कुछ नहीं कहा जा सकता। यह भाषा साफ बतलाती है कि सैनी की आरोपियों के प्रति न केवल सहानुभूति है वरन वे उनके काम को तर्कसंगत भी साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी घटना महाराष्ट्र की है। धुले एक्सप्रेस में एक मुस्लिम बुजुर्ग की कुछ सहयात्रियों ने पिटाई कर दी क्योंकि उन्हें शक था कि उन के पास गोमांस है। दो प्लास्टिक कंटेनरों में रखी सामग्री के बाबत वे पूछताछ कर रहे थे। उस घटना के वायरल हुए वीडियो में वह व्यक्ति बहुत डरा हुआ दिख रहा था। जलगांव निवासी यह बुजुर्ग मालेगांव में अपनी बेटी के लिये भैंस का मांस ले जा रहे थे। महाराष्ट्र में गाय एवं बैल के मांस पर तो प्रतिबन्ध है लेकिन भैंस का मांस खाना या रखना प्रतिबन्धित नहीं है। उन के जवाब से असंतुष्ट लोग उन से कई तरह के सवाल करते रहे। साथ ही वे अशरफ मुन्यार को यह कहकर भी धमकाते रहे कि श्वे परीक्षण से जान जायेंगे कि उसके पास रखा हुआ कौन सा मांस है। हालांकि ठाणे सेंट्रल रेलवे पुलिस के एक उच्चाधिकारी ने बताया कि पहले सीट को लेकर यह झगड़ा शुरू हुआ था जो बाद में इस मुद्दे तक जा पहुंचा। पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान कर ली है जो कि धुले के बतलाए गये हैं। बुजुर्ग से जब पुलिस ने सम्पर्क किया तो वे रिपोर्ट लिखाने से भी डर रहे थे। दोनों घटनाओं से साफ है कि अब इन्हें सियासी मोड़ दिया जायेगा। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं उनमें भाजपा की हालत जैसी बतलाई जा रही है, कोई आश्चर्य नहीं कि भाजपा उन्हें भुनाने में लग जायेगी। दोनों ही घटनाओं में शामिल आरोपी भाजपा, आरएसएस, बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद की विचारधारा के होंगे– यह दावे के साथ कहा जा सकता है। अगर न भी हुए तो भाजपा उनके पक्ष में खड़ी हो सकती है जिसका उद्देश्य ध्रुवीकरण करना ही होगा।

शो जीजी मां की टीम के साथ फिर से जुड़ीं अभिनेत्री भाविका शर्मा

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर १.४ मिलियन फॉलोअर्स वाली भाविका ने स्टोरी सेक्शन में तन्वी के जन्मदिन के जश्न के वीडियो शेयर किए। क्लिप में हम तन्वी को ऑफ-शोल्डर ब्लैक लेस गाउन पहने हुए देख सकते हैं, और उन्होंने हल्के मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया है। भाविका ने गोल्डन और ब्लैक स्ट्रिप वाली शर्ट ड्रेस पहनी हुई है।

तन्वी डोगरा के जन्मदिन के अवसर पर गुम है किसी के प्यार में की अभिनेत्री भाविका शर्मा जीजी मां टीम के साथ फिर से जुड़ गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 1.4 मिलियन फॉलोअर्स वाली भाविका ने स्टोरी सेक्शन में तन्वी के जन्मदिन के जश्न के वीडियो शेयर किए। क्लिप में हम तन्वी को ऑफ–शोल्डर ब्लैक लेस गाउन पहने हुए देख सकते हैं, और उन्होंने हल्के मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया है। भाविका ने गोल्डन और ब्लैक स्ट्रिप वाली शर्ट ड्रेस पहनी हुई है। वीडियो में तन्वी को बर्थडे केक काटते और अपने दोस्तों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है, जिसमें अभिनेता दिशांक अरोड़ा और जीवांश चड्ढा शामिल हैं। स्टार भारत पर प्रसारित जीजी मां में तन्वी, दिशांक, भाविका और शुभाशीष झा हैं। मुंबई की रहने वाली भाविका ने 17 साल की उम्र में टेलीविजन शो में काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने 2015 में परवरिश–सीजन 2 से रिया गुप्ता का किरदार निभाते हुए अपनी शुरुआत की थी। भाविका को जीजी मां में नियति और ये इश्क नहीं आसान में मौसमी के रूप में देखा गया था। वह पिछली बार कॉमेडी एक्शन शो मैडम सर में दिखाई दी थीं, जो सोनी सब पर प्रसारित हुआ था। जय प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह शो जय मेहता द्वारा निर्मित है। इस शो में गुलकी जोशी, युक्ति कपूर, प्रियांशु सिंह और सोनाली नाइक मुख्य भूमिका में हैं। दूसरी ओर तन्वी ने 2016 में जी टीवी के श्मेरी सासू मां में बबीता शर्मा का किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद डोगरा एक भ्रम..सर्वगुण संपन्न और संतोषी मां – सुनाएं व्रत कथाएंश जैसे शो में दिखाई दीं। वह वर्तमान में शो परिणीति में नजर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले एकता कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस शो में आंचल साहू, तन्वी और अंकुर वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। यह कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है। भाविका शर्मा ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत 2015 के टीवी शो परवरिश सीजन 2 से की थी। इस शो में उन्होंने रिया गुप्ता की भूमिका निभाई थी। वह 2017 से 2018 तक टीवी सीरियल जीजी मां में नियति की भूमिका में दिखाई दी थीं। इसके बाद वह सोनी सब के टीवी सीरियल मैडम सर में कांस्टेबल संतोष शर्मा के किरदार में नजर आईं थीं। उनकी इस भूमिका ने उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी। वह 2023 से स्टार प्लस के टीवी शो "गुम है किसी के प्यार में" आईपीएस सावी चव्हाण की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस भूमिका से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में फिर साथ दिखाई देंगे मनीष पश्चल और वरुण धवन

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म स्त्री 2 में एक कैमियो करने वाले बॉलीवुड स्टार वरुण धवन ने हाल ही में एक एयरपोर्ट लाउंज में मनीष पॉल से मुलाकात की। वरुण ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एयरपोर्ट लाउंज में मनीष पॉल से मिलते हुए नजर आ रहे हैं। मनीष पॉल क्राइम जर्नलिस्ट और लेखक एस. हुसैन जैदी की किताब रॉ हिटमैन रू द रियल स्टोरी ऑफ एजेंट लीमा पढ़ने में व्यस्त थे। वीडियो में वरुण को यह कहते हुए सुना जा सकता है, देखो इस आदमी को, किताब पढ़ रहा है। फिर उन्होंने मनीष पॉल से पूछा, क्या तुम लोगों पर हमला करने की योजना बना रहे हो? इसके बाद वरुण ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे बोर्डिंग एरिया की ओर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं और दोनों पैसेंजर कार्ट पर बैठे हैं। दोनों बद्रीनाथ की दुल्हनिया का सीक्वल सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी पर काम करना शुरू करने वाले हैं। इस फिल्म में वरुण और निर्देशक शशांक खेतान फिर से साथ काम कर रहे हैं, जिनके साथ उन्होंने हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया में काम किया था। इस फिल्म में जान्हवी कपूर भी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जान्हवी ने दुल्हनिया फ्रैंचाइजी के तीसरे भाग में आलिया भट्ट की जगह ली है। धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं, जुगजुग जियो में एक साथ स्क्रीन शेयर करने वाले वरुण और मनीष पॉल फिर से एक साथ आए हैं। 24 जून 2022 को रिलीज हुई जुग जुग जियो में अनिल कपूर, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी और डेब्यूटेंट प्राजक्ता कोली भी थीं। इस फिल्म को आलोचकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली। इसने भारत में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, जबकि विदेश में 38 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की, जिससे दुनियाभर में इसकी कमाई 139 करोड़ रुपये हो गई।

जैस्मीन भसीन ने कनाडा में उठाया पंजाबी खाने का लुत्फ

अभिनेत्री जैस्मीन भसीन इन दिनों अपनी आगामी पंजाबी फिल्म अरदास सरबत दे भले दी के प्रचार के लिए कनाडा में हैं। जहां वह फिल्ध्म में अपने सह–कलाकारों गिप्पी ग्रेवाल और गुरप्रीत घुग्गी के साथ पंजाबी भोजन का आनंद लेती नजर आ रही हैं। एक अभिनेता, गायक, फिल्म निर्देशक और निर्माता गिप्पी ग्रेवाल के इंस्टाग्राम पर 6.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इस प्लेटफॉर्म पर उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में जैस्मीन भसीन, गिप्पी ग्रेवाल और गुरप्रीत घुग्गी को घर पर बने पंजाबी खाने का लुत्फ उठाते हुए देखा जा सकता हैं, जिसमें बटर नान, शाही पनीर, दाल मखनी, सलाद और गुलाब जामुन शामिल हैं। क्लिप में जैस्मीन को बेबी पिंक रंग का एथनिक सूट पहने हुए देखा जा सकता है। इसमें अभिनेत्री बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री जैस्मीन हाल ही में कॉर्नियल डैमेज से उबरी हैं। भसीन ने 2011 की तमिल फिल्म वानम से अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने शबिवेयर ऑफ डॉग्स श्वेता और लेडीज एंड जेंटलमेन जैसी दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय किया। जैस्मीन ने हनीमून और वार्निंग 2 जैसी पंजाबी फिल्में की हैं। वह टशन–ए–इश्क, दिल से दिल तक, दिल तो हैप्पी है जी और जब वी मैच्ड जैसे शो में भी नजर आ चुकी हैं। फिल्ध्म अरदास सरबत दे भले दीश कहानी कलाकारों के जीवन और संघर्षों के इर्द–गिर्द घूमती है, जो उनके जीवन में आई कठिनाईयों को दिखाती है। यह कहानी अरदास करने के महत्व को दर्शाती है, और दिखाती है कि कैसे भक्ति से जीवन की कई चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। फिल्म का लेखन और निर्देशन गिप्पी ग्रेवाल ने किया है। इस फिल्म में प्रिंस कंवलजीत सिंह, मलकीत रौनी और रघवीर बोली भी हैं। अरदास सरबत दे भले दी को गिप्पी, रवनीत कौर ग्रेवाल, ज्योति देशपांडे, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और दिव्य धमीजा ने बनाया है। यह फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। जैस्मीन के पर्सनल लाइफ की बात करें तो वह अभिनेता अली गोनी के साथ रिश्ते में हैं। दोनों की मुलाकात फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 9 के दौरान हुई थी। इसके बाद वह विवादास्पद रियलिटी शो बिग बॉस 14 में दिखाई दिए, यहीं से दोनों ने एक–दूसरे को डेट करना शुरू किया।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती का परिवार पीते थे एक्ट्रेस के दोस्तों संग शराब!

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती अपने दोस्तों की आभारी हैं, जिन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद जब वह और उनका भाई शोविक मुंबई की बायकुला जेल में बंद थे, तब उनके साथ खड़े होकर उनके माता–पिता की देखभाल की। हाल ही में एक साक्षात्कार में, रिया ने साझा किया कि उनके कुछ दोस्तों ने उनके माता–पिता को सामान्य महसूस कराने के लिए उनके साथ खाना खाया और शराब भी पी। ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ हाल ही में बातचीत में, रिया ने कहा कि जेल से रिहा होने के बाद, उन्होंने देखा कि उनके कुछ दोस्तों और उनके माता–पिता का वजन बढ़ गया था। जब उन्होंने उनसे इसके बारे में पूछा, तो उन्हें जवाब देखकर आश्चर्य हुआ। रिया ने साझा किया "मेरे एक दोस्त – दो दोस्त – वे मेरे पिताजी के साथ हर रात शराब पीते थे और उनके साथ खाना खाते थे, जब हम जेल में थे। जब मैं बाहर आई, तो मैंने सोचा, 'तुम्हारा इतना वजन क्यों बढ़ गया है? कमीनो, मैं वहा जेल में थी और तुमलोग यहां खाना खा रहे हो, वजन बढ़ा रहे हो।' वे कहते थे, 'नहीं, यार। हम बस अंकल–आंटी को खाने–पीने और उन्हें थोड़ा सामान्य महसूस कराने की कोशिश कर रहे थे।' और मैं कहती थी, 'ओह वाह!' अपने दोस्तों से मिले इस समर्थन ने रिया को उस मुश्किल समय में उम्मीद बंधाई जब वह अपने पूर्व प्रेमी, अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बदनाम हो रही थी। अपनी करीबी दोस्त वीजे शिबानी दांडेकर के समर्थन ने उन्हें कैसे मजबूत रखा, यह बताते हुए रिया ने कहा, ष्मैं महिलाओं की महाशक्तियों से घिरी हुई थी। मेरी कुछ गर्लफ्रेंड – जिस तरह से उन्होंने मेरा साथ दिया – हे भगवान! आपको किसी और चीज की जरूरत नहीं है – आपके पास जीवन में एक सच्चा दोस्त हो सकता है और यही काफी है। शिबानी (दांडेकर) मेरे लिए वैसी ही थीं। जिस तरह से शिबानी मेरे लिए खड़ी रहीं, वह मेरे लिए यह जानने के लिए काफी था कि पूरी दुनिया मेरे खिलाफ हो सकती है, लेकिन मेरा एक दोस्त है। रिया चक्रवर्ती, जो उस समय सुशांत सिंह राजपूत को डेट कर रही थीं, को सितंबर 2020 में उनके लिए कथित तौर पर ड्रग्स खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल, सामाजिक-राजनीतिक अशांति का मार्मिक चित्रण

एक फिल्म की कहानी बांग्लादेश की हिंदू महिला सुहासिनी (अर्शिन मेहता द्वारा अभिनीत) के बारे में है, जो एक नरसंहार में अपने माता–पिता की मौत के बाद भागने के लिए मजबूर है। इस्लामिक उग्रवादी उसे सुंदरबन पार करने में मदद करते हैं, लेकिन उनका एक एजेंडा है। इस्लामिक उग्रवादी उसे इस्लाम में परिवर्तित करना चाहते हैं और पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों में एक राजनीतिक पार्टी के लिए अधिक वोट हासिल करने के लिए उसका उपयोग करना चाहते हैं। आगे जो कुछ होता है वह परेशान करने वाली घटनाओं और उसकी परेशानियों की एक श्रृंखला है। फिल्म के सबसे बेहतरीन पहलुओं में से एक यजुर मारवाह, अर्शिन मेहता और रामेंद्र चक्रवर्ती जैसे अभिनेताओं का असाधारण अभिनय है। हर अभिनेता ने फिल्म में दमदार अभिनय किया है, इसमें यजुर और अर्शिन खास तौर पर सबसे अलग हैं। खूनी एक्शन सीक्वेंस, सिनेमैटोग्राफी, वीएफएक्स और लोकेशन चॉइस सहित सभी पहलुओं में प्रोडक्शन क्वालिटी में फिल्म बेहतरीन है। इसके अलावा, फिल्म में अर्शिन (सुहासिनी) की मुश्किलों को बेहद दृढ़ विश्वास के साथ दिखाया गया है। यह उन आदिवासी लोगों की परेशानियों को भी प्रभावी ढंग से उजागर करता है, जो पुलिस और विद्रोहियों के बीच एक कठिन परिस्थिति में फंस गए हैं, और दोनों तरफ से दबाव का सामना कर रहे हैं। फिल्म के निर्देशन की अगर हम बात करें, तो सनोज मिश्रा ने अपने शानदार लेखन और निर्देशन से बांग्लादेशी मुसलमानों के उन जख्मों को बयां किया है, जो क्रूर यातना और अकल्पनीय हिंसा से गुजरे हैं। उन्होंने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि वे इस पूरी कहानी को उसके मूल स्ध्वरूप में ही पेश करें। फिल्म का संगीत उस तनाव को और बढ़ाता है, जिसे निर्माता इस तरह से बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि कहानी न केवल समझ में आए, बल्कि महसूस भी हो। हालांकि कहानी वास्तविक है, लेकिन फिल्म में ढलने और गैर–रेखीय कहानी को समझने में कुछ समय लगता है। इसके अलावा, कुछ दृश्यों में हिंसा दर्शकों के एक वर्ग को बहुत ज्यादा ग्राफिकल लग सकती है कुल मिलाकर, द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल एक जबरदस्त क्राइम ड्रामा है। इसमें कुछ ऐसे पल हैं, जो आपको झकझोर कर रख देंगे। हालांकि यह विषय को बहुत ईमानदारी से उजागर करती है, लेकिन वास्तविकता हमें चौंका देती है।

घर पर कम समय में बनाएं आलू पाई चाट, स्वाद ऐसा कि बच्चे बार-बार खाने की करेंगे डिमांड

अक्सर शाम के समय हम सभी का चाय के साथ कुछ चटपटा खाने का मन करता है। ऐसे में आप घर पर झटपट आलू पाई चाट बनाकर तैयार कर सकती हैं। आज हम आपको आलू पाई चाट की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आमतौर पर चाट खाना तो हर किसी को पसंद होता है। हालांकि यह बात अलग है कि चाट को लेकर सबकी पसंद अलग-अलग हो सकती है। लेकिन आलू चाट का स्वाद तो बेहद लाजवाब होता है। यह चाट आलू को उबालकर बनाया जाता है। अक्सर शाम के समय हम सभी का चाय के साथ कुछ चटपटा खाने का मन करता है। ऐसे में आप घर पर झटपट आलू पाई चाट बनाकर तैयार कर सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको आलू पाई चाट की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि यह बहुत कम समय में और बहुत कम सामग्री के साथ बनकर तैयार हो जाती है।

सामग्री

कच्चे आलू- 2 बड़े

आलू- (उबले हुई)

कॉर्नफ्लोर- 2 चम्मच

जीरा पाउडर- 1 छोटा चम्मच

काला नमक- 1 छोटा चम्मच

तेल- जरूरत के अनुसार

दही- 1 कप

इमली की चटनी- 1 कप

नमक- चुटकीभर

हरी चटनी- 1 कप

सेव- 1 पैकेट

बूंदी- 1 पैकेट

ऐसे बनाएं

सबसे पहले सभी सामग्रियों को तैयार कर लें और दो आलू के छिलके उतारकर उसे उबालने के लिए रख दें। इसके बाद जब आलू अच्छे से उबल जाएं, तो इन्हें कपड़े की मदद से सुखा लें। अब दो चम्मच कॉर्न फ्लोर और थोड़ा-सा नमक मिलाएं। फिर एक बड़ी छलनी में उबले हुए आलू को पूरे तरफ लगा दें। जब यह ठंडा हो जाए तो चाकू की मदद से आलू को छलनी से अलग कर दें। फिर ऊपर से कटे हुए आलू, काला नमक, इमली चटनी, हरी चटनी, जीरा पाउडर, दही, सेव, बूंदी और हरा धनिया बारीक काट के डाल दें। जब यह सारी चीजें अच्छे से पक जाएं, तो गर्मागर्म सर्व करें।

बिना धोए नए कपड़े पहनने की बदल दें आदत, नहीं तो सेहत के साथ हो जाएगा खिलवाड़

बिना धोए नए कपड़े पहनने से शरीर को विभिन्न प्रकार के नुकसान हो सकते हैं। नए कपड़े अक्सर फैक्ट्री से सीधे स्टोर तक आते हैं, और इस दौरान वे कई रसायनों, धूल, और बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं। आइए, जानें कि बिना धोए नए कपड़े पहनने से शरीर को क्या-क्या नुकसान हो सकता है-

रासायनिक अवशेष

नए कपड़ों में अक्सर फॉर्मलडिहाइड और अन्य रसायन होते हैं, जो कपड़ों को झुर्रियों से बचाने और रंग को स्थिर रखने के लिए उपयोग किए जाते हैं। ये रसायन त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते हैं और त्वचा में जलन, खुजली या लाल चकत्ते पैदा कर सकते हैं।

एलर्जी और त्वचा की समस्याएं

नए कपड़ों में रसायनों और धूल के कारण एलर्जी की प्रतिक्रिया हो सकती है। खासकर संवेदनशील त्वचा वाले लोगों में त्वचा में जलन, खुजली, और रैशेज हो सकते हैं। बिना धोए नए कपड़े पहनने से त्वचा पर डर्मेटाइटिस (एक्जिमा) हो सकता है, जिससे त्वचा लाल, सूजी हुई और खुजलीदार हो जाती है।

बैक्टीरिया और फंगस का संक्रमण

नए कपड़े विभिन्न लोगों द्वारा छुए जाते हैं और स्टोर में प्रदर्शित किए जाते हैं, जिससे वे बैक्टीरिया और फंगस के संपर्क में आते हैं। बिना धोए इन्हें पहनने से ये बैक्टीरिया और फंगस त्वचा पर संक्रमण फैला सकते हैं। खासकर उन कपड़ों में जो तंग होते हैं, जैसे कि अंडरगार्मेंट्स, इनफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

रासायनिक गंध और श्वसन समस्याएं

नए कपड़ों से निकलने वाली रासायनिक गंध कुछ लोगों को श्वसन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है, खासकर अगर वे पहले से ही अस्थमा या अन्य श्वसन समस्याओं से पीड़ित हों।

धूल और गंदगी

कपड़े बनाने और पैकिंग के दौरान उनमें धूल, मिट्टी और अन्य गंदगी आ सकती है। बिना धोए कपड़े पहनने से यह गंदगी सीधे त्वचा के संपर्क में आ जाती है और जलन या खुजली पैदा कर सकती है।

रंग के कण

नए कपड़ों में रंग की प्रक्रिया के दौरान कुछ रंग के अवशेष रह सकते हैं, जो त्वचा के संपर्क में आकर रासायनिक प्रतिक्रिया कर सकते हैं, जिससे त्वचा पर जलन या एलर्जी हो सकती है।

सुरक्षा के उपाय

-नए कपड़े पहनने से पहले उन्हें अच्छी तरह धो लें। यह रसायनों, धूल, और बैक्टीरिया को हटाने में मदद करेगा।कपड़े धोने के लिए हल्के और सुगंध रहित डिटर्जेंट का उपयोग करें ताकि कोई अवशेष न रहे। कपड़ों को धूप में सुखाने से भी बैक्टीरिया और फंगस का खतरा कम होता है।

शरीर के 7 चक्र के लिए जरूरी भोजन पर डालें एक नजर

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2024 के अवसर पर, आइए मानव शरीर के सात चक्रों के लिए विशेष रूप से चुने गए खाद्य पदार्थों के बारे में जानकारी प्राप्त करें। योग और आयुर्वेद के अनुसार, मानव शरीर में सात प्रमुख चक्र होते हैं, जो ऊर्जा केंद्र हैं और शरीर के विभिन्न भागों के साथ जुड़े होते हैं। प्रत्येक चक्र को संतुलित रखने के लिए विशेष पोषण की आवश्यकता होती है। इन चक्रों को संतुलित करने के लिए विभिन्न रंगों, खाद्य पदार्थों, और पोषण की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

1. मूलाधार चक्र

यह रीढ़ के निचले हिस्से में स्थित होता है। इस चक्र को सक्रिय और संतुलित रखने के लिए जड़ वाली सब्जियां और लाल रंग के खाद्य पदार्थ लाभकारी होते हैं। महत्वः यह चक्र सुरक्षा, स्थिरता, और शारीरिक अस्तित्व से जुड़ा होता है।

खाद्य पदार्थः चुकंदर, गाजर, मूली, लाल मिर्च, लाल सेब, अनार, और मीठे आलू।

अन्यरू प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे बीन्स, दाल, और नट्स।

2. स्वाधिष्ठान चक्र

यह नाभि के नीचे, पेट के क्षेत्र में स्थित होता है। यह चक्र रचनात्मकता और भावनात्मक संतुलन से जुड़ा होता है, और इसे संतुलित करने के लिए नारंगी रंग के खाद्य पदार्थ लाभकारी होते हैं। यह चक्र यौन ऊर्जा, रचनात्मकता और भावनाओं का केंद्र होता है।

खाद्य पदार्थः संतरा, पपीता, आम, कद्दू, शकरकंद, और गाजर।

अन्यः ताजे पानी की मछली और नारियल।

3. मणिपुर चक्र

यह नाभि के पास स्थित होता है। यह चक्र इच्छाशक्ति और आत्म-सम्मान से जुड़ा होता है। इसे सक्रिय रखने के लिए पीले रंग के खाद्य पदार्थ उपयोगी होते हैं। यह चक्र आत्म-सम्मान, शक्ति और आत्म-नियंत्रण से संबंधित होता है।

खाद्य पदार्थः केला, पीला शिमला मिर्च, मकई, अनानास, नींबू, और हल्दी।

अन्यः ओट्स, ब्राउन राइस, और साबुत अनाज।

4. अनाहत चक्र

यह ह्रदय के पास स्थित होता है। यह चक्र प्रेम, करुणा और भावनात्मक संतुलन से जुड़ा होता है। इसे संतुलित रखने के लिए हरे रंग के खाद्य पदार्थ और पत्तेदार सब्जियां लाभकारी होती हैं।यह चक्र प्रेम, दया और संबंधों का केंद्र होता है।

खाद्य पदार्थः पालक, ब्रोकोली, धनिया, पुदीना, केल, एवोकाडो, हरी मटर।

अन्यरू हरी चाय और तुलसी।

5. विशुद्ध चक्र

यह गले में स्थित होता है। यह चक्र संचार और अभिव्यक्ति से जुड़ा होता है। इसे सक्रिय करने के लिए नीले रंग के खाद्य पदार्थ और हाइड्रेशन आवश्यक है। यह चक्र संचार, सच्चाई, और आत्म-अभिव्यक्ति से संबंधित होता है।

खाद्य पदार्थः ब्लूबेरी, काले अंगूर, नीला आलू, और बैंगन।

अन्यः शहद, नारियल पानी, और ताजे जूस।

6. आज्ञा चक्र

यह भौंहों के बीच में स्थित होता है। यह चक्र अंतर्दृष्टि, बुद्धिमत्ता और आत्मज्ञान से जुड़ा होता है। इसे संतुलित करने के लिए गहरे रंग के खाद्य पदार्थों का सेवन लाभकारी होता है। यह चक्र अंतर्ज्ञान, मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिकता का केंद्र होता है।

खाद्य पदार्थः जामुन, काले अंगूर, बैंगनी गोभी, और अंजीर।

अन्यः डार्क चॉकलेट और गुड फैट्स (जैसे एवोकाडो और नट्स)।

7. सहस्रार चक्र

यह सिर के ऊपर, मुकुट स्थान पर स्थित होता है। यह चक्र आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता से जुड़ा होता है। इसे संतुलित करने के लिए शुद्ध और प्राकृतिक खाद्य पदार्थों का सेवन जरूरी होता है। यह चक्र आत्मज्ञान और ब्रह्मांड से जुड़ने का प्रतीक है।

खाद्य पदार्थः बैंगनी फल और सब्जियां जैसे अंगूर, बैंगन, और चुकंदर।

अन्यरू हल्के खाद्य पदार्थ जैसे साबुत अनाज, तुलसी और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां।

इन चक्रों से जुड़े विशेष रूप से चुने गए खाद्य पदार्थ हमारे शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने में मदद करते हैं। संतुलित आहार न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन को भी बनाये रखने में मदद करता है।

50 की उम्र से पहले घूम आएं तमिलनाडु के ये हिल स्टेशन, मानसून में दोगुनी होती है खूबसूरती

तमिलनाडु में पहाड़ी इलाकों के अलावा ऐतिहासिक इमारतें और प्राचीन मंदिर हैं। तमिलनाडु में कुछ ऐसे हिल स्टेशन हैं, जहां पर आपको पहुंचने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। यह हिल स्टेशन इतनी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित है। ऐसे में आपको यहां पर चढ़ाई करने के लिए फुर्तीला होना जरूरी है। तमिलनाडु की ये जगहें भले की कितनी ऊंचाई पर हो, लेकिन यहां जैसा नजारा आपको भारत में कहीं और नहीं देखने को मिलेगा। इन हिल स्टेशन से ऊंचाई से गिरते सुंदर झरने और हरे-भरे पहाड़ इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तमिलनाडु की कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको 50 साल की उम्र से पहले एक्सप्लोर करना चाहिए।

डोडाबेट्टा

डोडाबेट्टा की हरी-भरी घाटियों और मैदान में घूमने से आपके मन को सुकून मिलेगा। यह तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में एक फेमस पर्यटन स्थल है। तमिलनाडु की सबसे ऊंची चोटी 2,637 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यहां पर आप बांदीपुर, मुदुमलाई और नीलगिरि की पहाड़ियों को भी देख सकते हैं। इस हिल स्टेशन पर आप ट्रेकिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं। यहां पर मानसून के दौरान काफी अच्छा नजारा देखने को मिलेगा।

वालपराई

तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में स्थित वालपराई एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो अपने शांत वातावरण, प्राकृतिक सुंदरता और साहसिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। अनामलाई पर्वत श्रृंखला पर स्थिति यह हिल स्टेशन समुद्र तल से 3500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस जगह पर पहुंचने के लिए आपको पोलाची से 64 किमी और कोयंबटूर से 102 किमी दूर आना होगा। यह एक बेहद अच्छी जगह है।

स्वामीमलाई हिल ट्रेक

बता दें कि स्वामीमलाई पर्वत श्रृंखलाओं में सबसे ऊंची चोटी है। यह छोटी-छोटी पहाड़ियों से बना है। स्वामीमलाई पर्वत श्रृंखला 4,338 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस घने जंगलों वाली पहाड़ी पर चढ़ने का सपना हर ट्रेकर्स का होता है। इस पहाड़ी की तलहटी पर मंगलम गांव बसा है। ऐसे में अगर आप भी यहां आने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको कम से कम 4-5 दिन बिताना चाहिए। हालांकि आपको जरूरी सामान लेकर जाना चाहिए। स्वामीमलाई हिल ट्रेक पर आपको कैंपिंग जैसी सुविधा मिल जाएंगी।

संक्षिप्त

चालू वित्त वर्ष के पहले पांच माह में कोयला उत्पादन छह प्रतिशत बढ़कर 38.40 करोड़ टन पर

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच माह (अप्रैल–अगस्त) में देश का कोयला उत्पादन 6.48 प्रतिशत बढ़कर 38 करोड़ 40.8 लाख टन रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कोयला उत्पादन 36 करोड़ 7.1 लाख टन था। समीक्षाधीन अवधि के आंकड़े अस्थायी हैं। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा कि घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाली कोल इंडिया (सीआईएल) का उत्पादन चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–अगस्त की अवधि के दौरान बढ़कर 29 करोड़ 3.9 लाख टन हो गया, जो साल–दर–साल 3.17 प्रतिशत की वृद्धि है। निजी और अन्य इकाइयों से कोयला उत्पादन अप्रैल–अगस्त के दौरान एक साल पहले के पांच करोड़ 28.4 लाख टन से बढ़कर छह करोड़ 89.9 लाख टन हो गया। अगस्त तक संचयी कोयला प्रेषण पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 39 करोड़ 19.3 लाख टन के मुकाबले 41 करोड़ 20.7 लाख टन रहा।

टाटा संस बोर्ड में जल्द दिखेंगे नए चेहरे, होने वाली है सदस्यों की नियुक्ति : रिपोर्ट

टाटा संस जल्द ही अपने बोर्ड में नए ग्रुप नॉमिनी नियुक्त करने की तैयारी में है। टाटा ग्रुप के बोर्ड के कुछ सदस्य जल्द ही रिटायर होने वाले हैं, जिसके बाद नए सदस्यों को शामिल किया जाएगा। ये जानकारी इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि भास्कर भट्ट समिति की अपनी आखिरी निर्धारित बैठक के बाद हस्ताक्षर करेंगे। इसके अलावा जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) के निदेशक राल्फ स्पेथ के जल्द ही पद से हटने की संभावना बनी हुई है। बता दें कि भास्कर भट्ट टाटा एसआईए एयरलाइंस के चेयरमैन भी हैं, जो विस्तारा ब्रांड का मालिक है। हालांकि रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एयर इंडिया और टाटा एसआईए के विलय तक वे सलाहकार की भूमिका में बने रह सकते हैं। टाटा संस में शीर्ष प्रबंधन पदों को भी भरने की आवश्यकता होगी क्योंकि हरीश भट, एस पद्मनाभन और बनमाली अग्रवाला या तो सेवानिवृत्त हो चुके हैं या अपनी कार्यकारी भूमिकाओं से बाहर हो गए हैं। हरीश भट सेवानिवृत्त हो गए हैं और बनमाली अग्रवाला टाटा संस में सलाहकार की भूमिका में हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टाटा स्टील के सीईओ टीवी नरेंद्रन उन नामों में से एक हैं, जिन पर बोर्ड में समूह के प्रतिनिधि के रूप में विचार किए जाने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रेंट के चेयरमैन नोएल टाटा भी एक अन्य शीर्ष उम्मीदवार हैं, लेकिन उनके नामांकन के लिए टाटा ट्रस्ट की मंजूरी की आवश्यकता हो सकती है।

सऊदी अरब अक्टूबर में एशिया के लिए कच्चे तेल की कीमतों में कटौती कर सकता है

सऊदी अरब अक्टूबर में एशिया को बेचे जाने वाले अधिकतर कच्चे तेल के ग्रेड की कीमतों में कटौती कर सकता है। ये दुबई में आई गिरावट के बाद बदलाव हो सकता है। कटौती होने के बाद नई अनुमानित मूल्य 50 से 70 सेंट प्रति बैरल के बीच हो सकती है। इससे पता चलता है कि चीन में रिफाइनिंग मार्जिन और ओपेक+ आपूर्ति में वृद्धि कमजोर हुई है। वहीं उद्योग सूत्रों के मुताबिक सोमवार को शीर्ष तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अक्टूबर में एशिया के बेचे जाने वाले अधिकतर कच्चे तेल की कीमत में कटौती करने की उम्मीद जताई है। बीते महीने ही मध्य पूर्व बेंचमार्क दुबई में गिरावट आई थी। रॉयटर्स के सर्वेक्षण में पांच में से तीन रिफाइनिंग स्रोतों ने कहा कि अक्टूबर में प्रमुख अरब लाइट कच्चे तेल के आधिकारिक विक्रय मूल्य में 50 से 70 सेंट प्रति बैरल की गिरावट आ सकती है। बीते महीने के दुबई मूल्य प्रसार के समान रुझान को दर्शाता है। सूत्रों ने कहा कि इस तरह की कीमत कटौती कमजोर रिफाइनिंग मार्जिन को दर्शाती है।

खासतौर से चीन में जहां विनिर्माण और संपत्ति क्षेत्र में सुस्ती के कारण ईंधन की मांग कम हो रही है। एक सूत्र से मिली जानकारी के मुताबिक अब मार्जिन खराब हो चुका है। चीन में मिलने वाले मार्जिन की स्थिति अधिक खराब हो गई है। सूत्रों के मुताबिक आमतौर पर सितंबर तेल की मांग के लिए अच्छा महीना होता है, मगर इस वर्ष ये निराश कर सकता है। ओपेक+ की आपूर्ति भी अक्टूबर से बढ़ने वाली है, क्योंकि समूह के आठ सदस्य अगले महीने 180,000 बैरल प्रति दिन उत्पादन बढ़ाने वाले हैं, जो कि 2.2 मिलियन बीपीडी की सबसे हालिया उत्पादन कटौती को समाप्त करने की योजना का हिस्सा है, जबकि 2025 के अंत तक अन्य कटौतियों को जारी रखा जाएगा। हालांकि, अन्य दो उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि अक्टूबर के लिए अरब लाइट के ओएसपी में थोड़ा बदलाव रहेगा। उनमें से एक ने कहा कि ऐसा आंशिक रूप से इसलिए हुआ क्योंकि पिछले महीने व्यापार के अंतिम सप्ताह में दुबई बेंचमार्क मजबूत हुआ था। भारी ग्रेडों – अरब मीडियम और अरब हैवी – के लिए पांच में से तीन उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि अक्टूबर में कीमतों में 50 सेंट से कम की कमी आएगी, जिसे मजबूत ईंधन तेल की मांग का समर्थन प्राप्त होगा, जबकि शेष दो को 60 से 80 सेंट प्रति बैरल की कीमत कटौती की उम्मीद है।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार टेस्ट सीरीज जीती दूसरा मैच 6 विकेट से जीता, सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट के इतिहास की पहली बार टेस्ट सीरीज जीत ली है। टीम ने रावलपिंडी में खेले गए दूसरे मैच में पाकिस्तान को मुकाबले के आखिरी दिन मंगलवार को 6 विकेट से हराया। बांग्लादेश के लिए लिट्टन दास ने पहली पारी में शतक लगाया।

बांग्लादेश ने पहले टेस्ट मैच में भी पाकिस्तान के खिलाफ 10 विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इसी के साथ नजमुल हुसैन शांतो की कप्तानी वाली टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2–0 से जीती। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट सीरीज खेली गई थी और सभी पाकिस्तान ने जीती थी। दोनों टीमों ने साल 2001 में पहली बार टेस्ट खेला था। पाकिस्तानी टीम सोमवार को दूसरी पारी में 172 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने बांग्लादेश को जीत के लिए 185 रन का टारगेट दिया था। बांग्लादेश ने आज यानी मंगलवार को अपने दूसरी पारी में 42 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बांग्लादेश की ओर से दूसरी पारी में कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मोमिनुल हक के बीच 57 बॉल पर 119 रन की साझेदारी हुई। टीम के लिए जाकिर हसन 40, शांतो 38, मोमिनुल 34, और शादमान इस्लाम 24 रन बनाए। रविवार को मैच के तीसरे दिन बांग्लादेश पहली पारी में 262 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने एक समय 26 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। यहां लिट्टन दास और मेहदी हसन ने 165 रन की साझेदारी करके टीम को 190 पार पहुंचाया। लिट्टन ने 138 और मेहदी हसन ने 78 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए खुर्रम शहजाद ने 6 विकेट लिए।

लिट्टन दास का शतक

लिट्टन दास ने पहली पारी में 228 बॉल पर 138 रन बनाए। उनके टेस्ट करियर का यह चौथा शतक रहा। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ दूसरा शतक रहा। वे पाकिस्तानी टीम के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में दो शतक लगाने वाले बांग्लादेश के पहले खिलाड़ी हैं।

पाकिस्तान टीम पहली पारी में 274 रन सिमटी थी

मुकाबले के दूसरे दिन शनिवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम पहली पारी में 274 रन पर सिमट गई थी। टीम की ओर से सईम अय्यूब (58), कप्तान शान मसूद (57) और आगा सलमान (54) ने अर्धशतकीय पारियां खेली। जबकि बांग्लादेश की ओर से स्पिन गेंदबाज मेहदी हसन मिराज ने 5 विकेट हासिल किए। पाकिस्तान की पहली पारी के जबाव में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम ने दूसरे दिन के अंत तक बिना कोई विकेट गंवाए 10 रन बनाए।

बारिश में धुल गया पहला दिन

रावलपिंडी के मैदान पर खेले जा रहे इस मैच का पहला दिन बारिश में धुल गया था। मुकाबले की शुरुआत भारतीय समयानुसार सुबह 10रू30 बजे से होनी थी, लेकिन बारिश के कारण दोपहर 12रू45 बजे तक टॉस भी नहीं हो पाया। इसके बाद बारिश न रुकने की वजह से अंपायर्स ने पहले दिन का खेल समाप्त कर दिया। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतकर इस ॅज्ब साइकल में तीसरी जीत दर्ज की। टीम के अब 6 टेस्ट में 3 जीत और 3 हार से 33 पॉइंट्स हैं।

टीम अब वेस्टइंडीज, पाकिस्तान और श्रीलंका से आगे निकल चुकी है। श्रीलंका 33.33: पॉइंट्स के साथ 7वें, पाकिस्तान 22.22: पॉइंट्स के साथ 8वें और वेस्टइंडीज 18.52: पॉइंट्स के साथ 9वें नंबर पर है। भारत 68.52: पॉइंट्स के साथ पहले और ऑस्ट्रेलिया 62.50: पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है।

हरमनप्रीत सिंह ने कहा- `ओलंपिक कांस्य अब बीती बात, एसीटी खिताब पर नजरें हैं'

हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि लगातार दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने का जश्न खत्म करके अब चीन में इस महीने होने वाली एशियाई चौम्पियंस ट्रॉफी में खिताब बरकरार रखने पर फोकस करना होगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि लगातार दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने का जश्न खत्म करके अब चीन में इस महीने होने वाली एशियाई चौम्पियंस ट्रॉफी में खिताब बरकरार रखने पर फोकस करना होगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। हरमनप्रीत ने हालांकि कहा कि अब ब्रेक के बाद आठ से 17 सितंबर तक होने वाली एशियाई चौम्पियंस ट्रॉफी पर ध्यान केंद्रित करना होगा। हरमनप्रीत ने चीन रवाना होने से पहले कहा ,'' पेरिस ओलंपिक के बाद ब्रेक खत्म करके टीम एशियाई टीमों का सामना करने के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन हॉकी काफी करीबी खेल है। हम अतीत के अच्छे प्रदर्शन के भरोसे नहीं रह सकते।'' भारत के अलावा कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। भारत को आठ सितंबर को चीन से खेलना है।इसके बाद नौ सितंबर को जापान से, 11 सितंबर को मलेशिया, 12 सितंबर को कोरिया और 14 सितंबर को पाकिस्तान से मुकाबला है। शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि फाइनल 17 सितंबर को है। भारत ने चार बार और पाकिस्तान ने तीन बार खिताब जीता है। पिछली बार चेन्नई में भारत ने मलेशिया को 4 . 3 से हराकर खिताब जीता था।

WTC Final 2025 को लेकर ICC ने कर दी घोषणा, जानें कब खेला जाएगा वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025?

आखिरकार वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025 का फाइनल कब खेला जाएगा इसकी घोषणा आईसीसी ने कर दी है। दरअसल, डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 मुकाबला लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इसका फाइनल 11 जून 2025 से खेला जाएगा। जबकि इस मुकाबले के लिए आईसीसी ने रिजर्व डे के तौर पर 16 जून का दिन तय किया है। बता दें कि, ये पहली बार होगा जब लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। इससे पहले 2021 का फाइनल साउथेम्पटन के द रोज बाउल और 2023 का फाइनल लंद के द ओवल में खेला गया था। जो न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने जीता था।

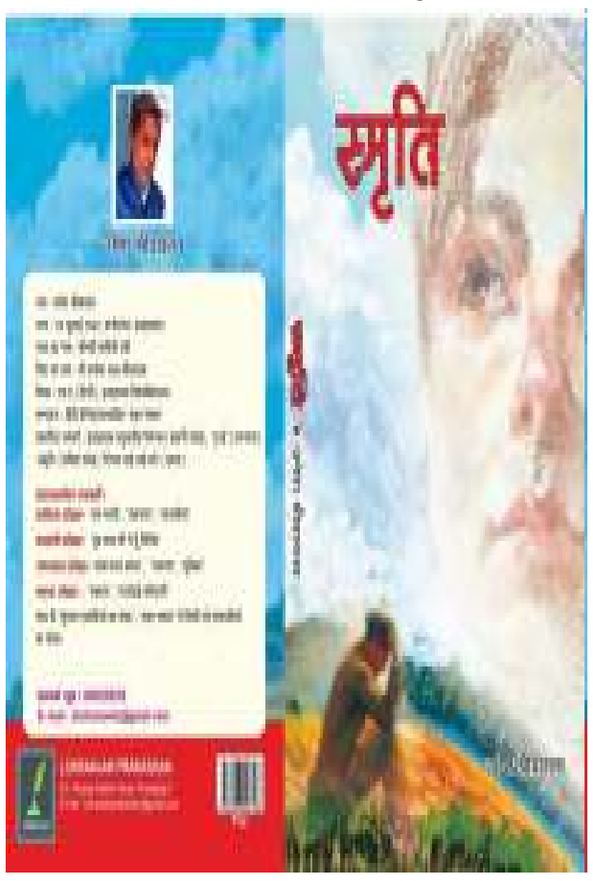

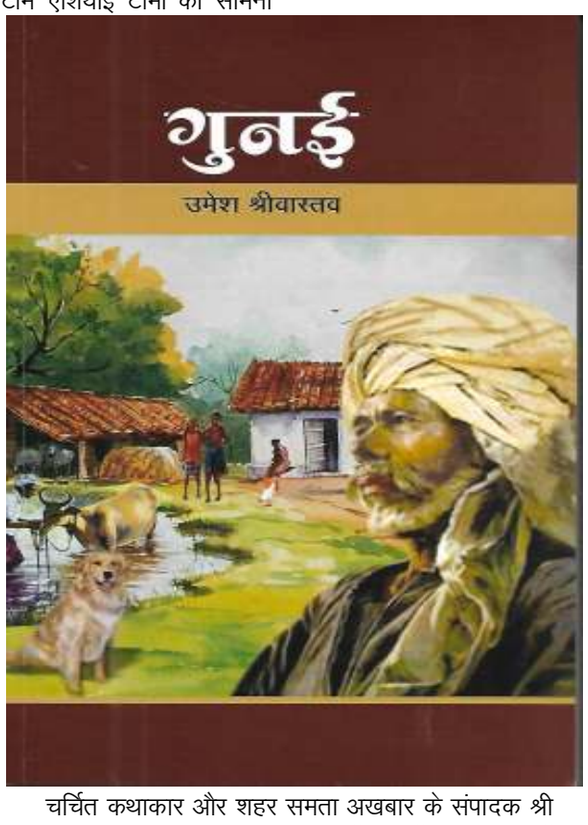

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

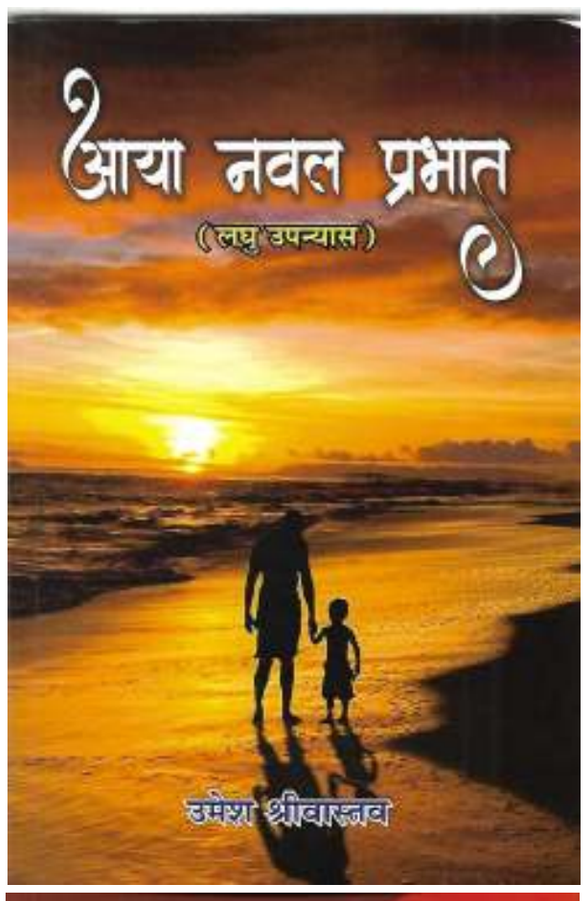

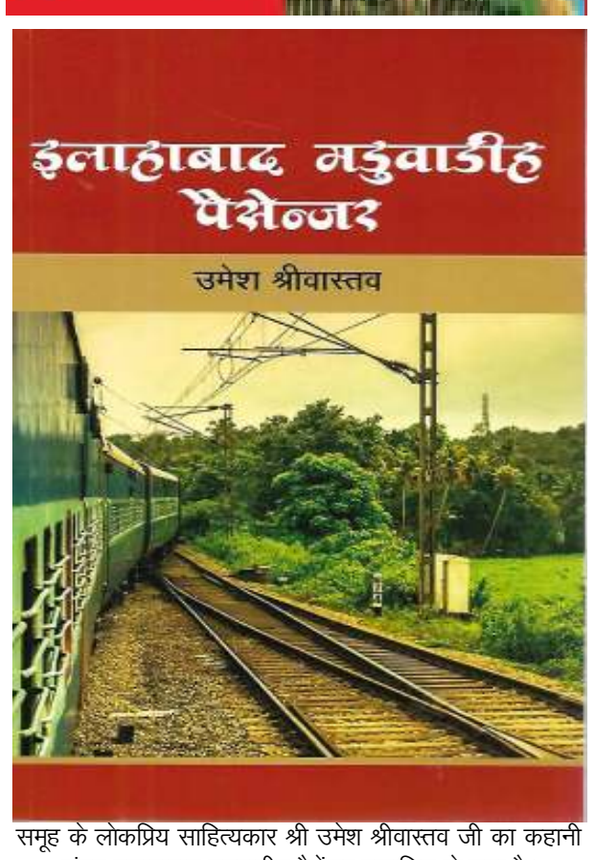

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

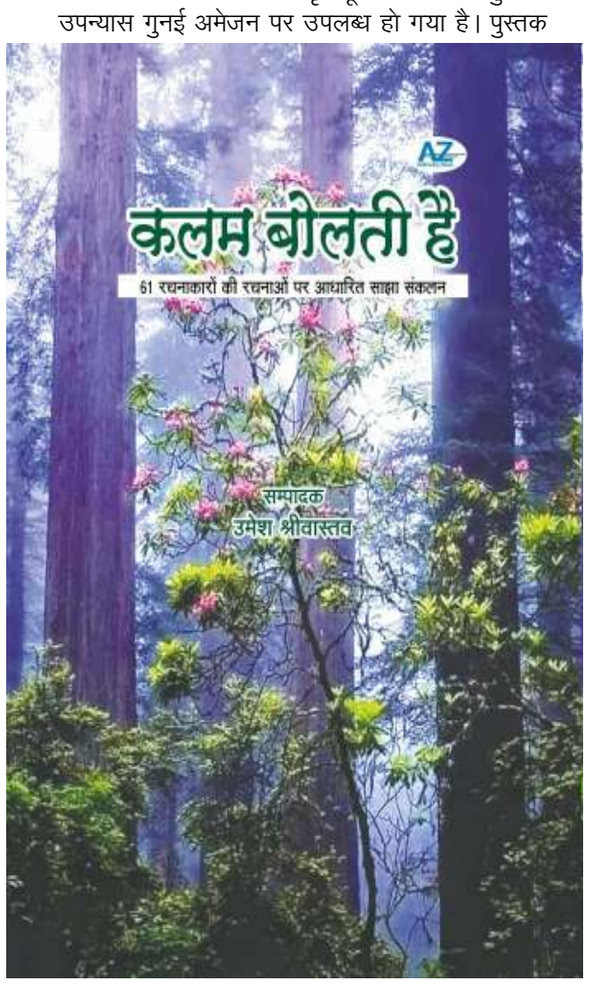

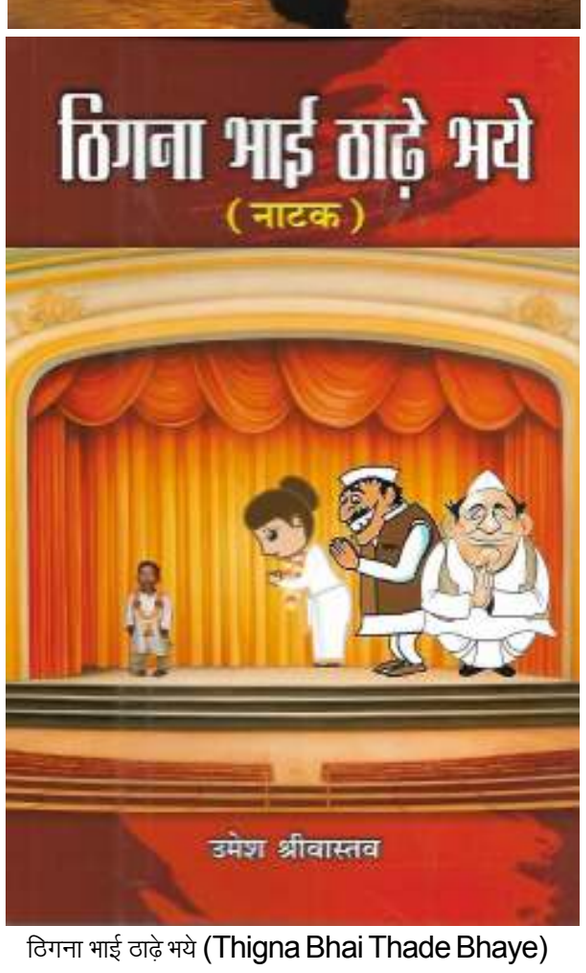

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जेल तोड़कर भागने की कोशिश कर रहे 129 कैदियों की मौत

किंशासा (कांगो)।अफ्रीका महाद्वीप के मध्य में स्थित कांगो की मुख्य जेल से भागने की कोशिश कर रहे कम से कम 129 लोगों की मौत हो गई। इनमें से ज्यादातर की मौत भगदड़ की वजह से बताई जा रही है। कांगो के गृह मंत्री जैकमिन शबानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर बताया कि सोमवार तड़के किंशासा में मकाला जेल से भागने की कोशिश कर रहे 24 कैदियों को चेतावनी देने के बाद गोली मार दी। इसके बाद जेल में भगदड़ के हालात बन गए। देखते ही देखते सैकड़ां लोग खूनइ से लथपथ जमीन पर गिर गए। अब तक जानकारी के मुताबिक, 129 कैदियों की मौत हो चुकी है। संख्या बढ़ भी सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1,500 लोगों की क्षमता वाली कांगो की मुख्य जेल मकाला में 12,000 से ज्यादा कैदी हैं। इनमें से ज्यादातर के केस अदालतो में लंबित हैं। यहां पहले भी जेल से भागने की घटनाएं दर्ज की गई हैं। 2017 में एक धार्मिक संप्रदाय के हमलों में दर्जनों लोगों को छुड़ाया गया था। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि जेल के अंदर गोलीबारी रविवार आधी रात से शुरू होकर सोमवार सुबह तक चली। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने पहले बताया था कि घटना के दौरान केवल दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, हालांकि, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस आंकड़ों पर सवाल उठाया था।

पाकिस्तान के लिए भारी पड़ रहा आग से खेलना: इस साल 325 आतंकी हमले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आतंकी हमलों में वृद्दि हुई है। इस साल केवल अगस्त में पूरे पाकिस्तान में 59 आतंकी हमले हुए, जिसमें 84 लोगों की मौत हो गई। जुलाई में 38 आतंकी हुए थे। इसी के साथ अबतक पूरे देश में हुए आतंकी हमलों की संख्या बढ़कर 325 हो गए। पाक इंस्टीट्यूट ऑफ पीस स्टडीज (पीआईपीएस) के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वां में सबसे ज्यादा 29 आतंकी हमले हुए, जबकि बलुचिस्तान में 28 और पंजाब में दो हमले हुए। इन हमलों में 84 लोगों की मौत हो गई, जबकि 166 लोग घायल हुए। 2006 से अबतक 17,846 आतंकी घटनाएं हुईं, जिसमें 24,373 लोगों की मौत हो गई, जबकि 48,085 लोग घायल हैं। बलुचिस्तान में इस साल अगस्त में 28 आतंकी हमले हुए, जिसमें 57 लोगों की जान चली गई। 26 अगस्त को बलूच सरकार नवाब अकबर बुगती की बरसी के मौके पर बलूचिस्तान में हमले किए गए।

खैबर पखतूनख्वां में सबसे ज्यादा हमले

खैबर पख्तूनख्वां में 29 आतंकी हमलों में 25 लोगों की जान चली गई, जबकि 80 लोग घायल हो गए। यहां प्रतिबंधित आतंकी समूह तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), हाफिज गुल बहादुर ग्रुप, लश्कर–ए–इस्लाम, इस्लामिक स्टेट–खुरासान (आईएस–के) और स्थानीय तालिबान समूह ने हमलों को अंजाम दिया। पंजाब में हुए दो हमलों में दो नागरिक घायल हो गए, जबकि दो आतंकियों को मार गिराया गया। सुरक्षा बल और पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभागों ने देश में 12 आतंकवादी विरोधी अभियान चलाए। जुलाई में 11 अभियान चलाए गए थे। इस अभियान के तहत 88 आतंकी मारे गए और तीन पुलिस कर्मी एवं 15 सेना के जवानों की मौत हो गई। 12 में से आठ अभियान खैबर पख्तूनख्वां में चलाया गया था। पाकिस्तान को संयुक्त आतंकवाद विरोधी और सीमा सुरक्षा रणनीति विकसित करने के लिए अफगानिस्तान और ईरान के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने की जरूरत है।

मिस टीन यूएसए का क्लिप पोस्ट कर फिर विवादों में फंसे जेडी वेंस, बताया जाने लगा महिला विरोधी

डोनाल्ड ट्रम्प के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस एक किशोर पेजेंट क्वीन की पुरानी क्लिप पोस्ट करने के बाद विवाद में आ गए हैं। उनका उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था, डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को उनके सीएनएन साक्षात्कार में उनकी ढुलमुल रिएक्शन्स के लिए यंग एज लड़की से जोड़कर उन्हें शर्मिंदा करना। लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह पोस्ट उन्हें ही बैक फायर कर जाएगा और कमला के समर्थकों को एक और मौका मिल जाएगा जो पहले से ही उन्हें महिलाओं से नफरत करने वाला करार दिया है। वेंस ने एक पुरानी वायरल क्लिप पोस्ट की जिसमें तत्कालीन मिस साउथ कैरोलिना टीन यूएसए 18 वर्षीय कैटलिन कैट अप्टन नजर आ रही हैं। अमेरिकियों के ज्यूग्रोफिक नॉलेज के सवाल पर फंबल करने लगी थी। वेंस ने इसे कैप्शन दिया, ब्रेकिंगः मुझे कमला हैरिस का पूरा सीएनएन इंटरव्यू मिल गया है। वेंस की पोस्ट के बाद तुरंत ही आलोचना होनी शुरू हो गई। एक यूजर्स ने लिखा कि महिलाओं पर हमला करते रहो और भी अधिक लोग आपके खिलाफ वोट करने के लिए आएंगे। दूसरे ने कहा आप महिलाओं से नफरत करते हैं। अप्टन कई विज्ञापनों में दिखाई दे चुकी हैं। उन्होंने कहा है कि वह इस घटना के परिणामों के कारण अवसाद और आत्मघाती

विचारों से जूझ रही थीं। मेरे पास कुछ बहुत ही बुरे पल थे जब मैंने आत्महत्या करने के बारे में सोचा। उन्होंने आगे कहा कि माफ करें, यह वास्तव में भावनात्मक है। यह पहली बार है जब मैं वास्तव में इसके बारे में बात करने में सक्षम हुआ हूं। यह भयानक था, और पिछले दो वर्षों तक हर एक दिन ऐसा ही हुआ। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस पर निजी हमला करते हुए उन्हें बेकार बताया था। हैरिस द्वारा राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में 'सीएनएन' के साथ अपने पहले बड़े साक्षात्कार के बाद ट्रंप ने उनपर हमले किए थे। भारतवंशी हैरिस अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैं। उनका मुकाबला ट्रंप से होगा। ट्रंप ने 'मॉम्स फॉर लिबर्टी' नामक एक रूढ़िवादी गैर–लाभकारी संस्था की वार्षिक सभा में कहा कि मुझे लगता है कि अगर वह सिर्फ साक्षात्कार देतीं तो बेहतर होता, भले ही वे बहुत अच्छे न होते, लेकिन बेहतर होता... क्योंकि अब हर कोई देख रहा है और अब हम देख रहे हैं कि वह बेकार हैं।

12 दिन, 32 हजार किलोमीटर, ईसाई–मुस्लिम संबंधों पर जोर

शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने की ओर, पोप फ्रांसिस की सबसे लंबी यात्रा

दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के चार देशों की 12 दिवसीय मैराथन यात्रा की शुरुआत करते हुए इंडोनेशिया पहुंचे, जिसमें पापुआ न्यू गिनी, पूर्वी तिमोर और सिंगापुर भी शामिल हैं। एक बयान में कगा गया कि इंडोनेशिया और वेटिकन की शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने के साथ–साथ मानवता के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए समान प्रतिबद्धता है।

पोप फ्रांसिस ने अपनी सबसे लंबी यात्रा की शुरुआत कर दी है। इसका उद्देश्य मुस्लिम बहुल इंडोनेशिया में धार्मिक सद्भाव का जश्न मनाना है। पोप फ्रांसिस 87 वर्ष के हैं और हाल के सालों में स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में देखा गया कि उन्होंने व्हीलचेयर का उपयोग करना शुरू कर दिया है। लेकिन पोप फ्रांसिस इस समय अपने पोप कार्यकाल की सबसे लंबी यात्रा पर हैं। दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के चार देशों की 12 दिवसीय मैराथन यात्रा की शुरुआत करते

हुए इंडोनेशिया पहुंचे, जिसमें पापुआ न्यू गिनी, पूर्वी तिमोर और सिंगापुर भी शामिल हैं। एक बयान में कगा गया कि इंडोनेशिया और वेटिकन की शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने के साथ–साथ मानवता के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए समान प्रतिबद्धता है।

सबसे लंबी विदेश यात्राओं में से एक

यह किसी भी पोप द्वारा शुरू की गई सबसे लंबी विदेश यात्राओं में से एक है और यह सबसे दूर की भौगोलिक दूरी (32,814 किलोमीटर या लगभग 20,000 मील) है जिसे फ्रांसिस ने 2013 के चुनाव के बाद से यात्रा की है। जकार्ता पहुंचने पर, पोप फ्रांसिस ने टिप्पणी की कि 13 घंटे से अधिक की उड़ान उनकी अब तक की सबसे लंबी उड़ान थी। यह ऐतिहासिक यात्रा पोप को अंतर–धार्मिक संवाद और पर्यावरण की सुरक्षा सहित अपने परमधर्मपीठ के प्रमुख विषयों पर प्रकाश डालने की अनुमति देगी। यह यात्रा कैथोलिक चर्च के अंदर हो रहे एक महत्वपूर्ण बदलाव को भी रेखांकित करती है।

पिछली 44 विदेश यात्राओं में ये देश शामिल

पोप कार्यकाल के दौरान, फ्रांसिस की पिछली 44 विदेश यात्राओं में दक्षिण कोरिया, जापान, फिलीपींस, थाईलैंड, म्यांमार और बांग्लादेश शामिल थे। उन्होंने चर्च के केंद्रीय प्रशासन में वरिष्ठ पदों पर फिलीपींस (लुइस एंटोनियो टैगले) और दक्षिण कोरिया (लाजर यू ह्युंग–सिक) के कार्डिनल्स को भी नियुक्त किया है।

जकार्ता की ऐतिहासिक इस्तिकलाल मस्जिद में अंतरधार्मिक बैठक

फ्रांसिस 5 सितंबर को जकार्ता की ऐतिहासिक इस्तिकलाल मस्जिद में एक अंतरधार्मिक बैठक में भाग लेंगे जिनमें इंडोनेशिया में आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त छह धर्मों इस्लाम, बौद्ध, कन्फ्यूशीवाद, हिंदू, कैथोलिक धर्म और प्रोटेस्टेंटवाद के प्रतिनिधि भाग लेंगे। पोप पॉल षष्टम के 1970 और सेंट जॉन पॉल द्वितीय के 1989 में इंडोनेशिया की यात्रा के बाद फ्रांसिस इस देश की यात्रा करने वाले तीसरे पोप हैं। यह ईसाई–मुस्लिम संवाद और कैथोलिक व्यवसायों दोनों के संदर्भ में वेटिकन के लिए इंडोनेशिया के महत्व को रेखांकित करता है।

हैवानियतरू पत्नी को हर रात देता था ड्रग्स, 10 साल तक 50 से अधिक पुरुषों से करवाया दुष्कर्म, अब चलेगा मुकदमा

फ्रांस। फ्रांस में पिछले साल ऐसा मामला सामने आया था, जिससे पूरा देश हिल गया था। दरअसल, हर रात एक शख्स खुद की पत्नी को नशीली दवा खिलाकर दूसरे पुरुषों से दुष्कर्म कराता था। बेचारी पत्नी को तो पता भी नहीं था कि उसके साथ क्या हो रहा है। इस शर्मनाक घटना को करीब 10 वर्षों तक अंजाम दिया गया। बता दें, आज इस मामले में सुनवाई होनी हैं।

50 लोगों पर चलेगा केस

बिजली कंपनी ईडीएफ के 71 साल के पूर्व कर्मचारी यानी महिला के पति के अलावा दक्षिणी शहर एविग्रॉन के 50 लोगों पर भी मुकदमा चलाया जा रहा है। वहीं, महिला के वकीलों का दावा है कि महिला को इतना बेहोश रखा गया कि उसके साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में पता ही नहीं चला। उनके वकीलों में से एक एंटोनी कैमस ने कहा कि 70 साल की उम्र में यह मुकदमा लड़ना किसी परीक्षा से कम नहीं है। न्यायाधीश रोजर अराता ने एलान किया कि सभी सुनवाई सार्वजनिक होंगी और ऐसा महिला की इच्छा से किया जा रहा है। महिला के वकील स्टेफन बाबोन्यू का कहना है कि वह जागरूकता बढ़ाना चाहती हैं। उनके साथ जो भी हुआ वो किसी और के साथ न हो। 92 मामलों की पुष्टि की

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने करीब 92 मामलों की पुष्टि की है। इनमें से 51 पुरुष ऐसे थे, जिनकी उम्र 26 से 73 वर्ष के बीच बताई जा रही है। इन आरोपियों को दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष बचे लोगों की तलाश पुलिस कर रही है।

महिला को 2020 में चला दरिंदगी का पता मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 70 साल की बुजुर्ग महिला के वकीलों ने बताया कि उन्हें पहली बार उन आरोपियों का सामना करना होगा, जिन्हें उन्होंने 10 सालों से अधिक समय तक सहन किया। उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल को उसके साथ हुए दुर्व्यवहारों के बारे में जानकारी 2020 में हुई थी।

ऐसे हुआ पूरे मामले का खुलासा बता दें कि इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब एक शॉपिंग सेंटर में डोमिनिक नाम के आरोपी को सुरक्षा गार्ड ने वीडियो बनाते हुए पकड़ा था। इसके बाद पुलिस ने जब आरोपी के लैपटॉप की जांच की तो उसकी पत्नी की हजारों तस्वीरें और वीडियो मिले, जिनमें वह बेहोश दिख रही थी। पुलिस ने इसके अलावा एक साइट चौट को भी बंद किया है जिस पर वह अजनबी युवकों को घर आने और अपनी पत्नी के साथ संभोग के लिए कहता था।

ये थे आरोपी

पुलिस के अनुसार सभी आरोपी बलात्कारियों की उम्र 21 से 68 साल के बीच थी। आरोपियों में एक फोर्कलिफ्ट ड्राइवर, एक फायर ब्रिगेड अधिकारी, एक कंपनी मालिक और एक पत्रकार शामिल थे। इनमें कुछ अविवाहित थे, कुछ विवाहित या तलाकशुदा थे और कुछ पारिवारिक पुरुष थे। कुछ लोगों ने एक बार तो कुछ लोगों ने छह बार उनके साथ दुष्कर्म किया।

वीडियो भी बनाता था

हैवानियत की चरम सीमा पार करने वाले पति की पहचान डोमिनिक पी के रूप में हुई।

अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर किया हमला, न्यूयॉर्क में गोलीबारी में पांच घायल

अमेरिकी सैन्य बल यूएस सेंट्रल कमांड ने बताया है कि उन्होंने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि, पिछले 24 घंटों में, यूएस सेंट्रल कमांड (USCENTCOM) बलों ने यमन में हूती विद्रोही नियंत्रित क्षेत्र में दो मिसाइल प्रणालियों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। ये मिसाइल प्रणालियां क्षेत्र में अमेरिकी और गठबंधन बलों और व्यापारिक जहाजों के लिए एक खतरा थीं। ये कार्रवाई मेरीटाइम (नौवहन) की स्वतंत्रता की रक्षा करने और अंतर्राष्ट्रीय जल को अमेरिकी, गठबंधन और व्यापारिक जहाजों के लिए अधिक सुरक्षित बनाने के लिए की गई थी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में सोमवार को वेस्ट इंडियन अमेरिकन डे परेड के दौरान गोलीबारी की घटना घटी। एक बंदूकधारी ने कुछ लोगों के समूह पर गोलीबारी कर दी, जिसमें पांच लोग घायल हो गए हैं। घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। न्यूयॉर्क में हर साल कैरेबियाई मूल के लोग परेड का आयोजन करते हैं। इसी परेड के दौरान गोलीबारी की घटना घटी। पुलिस घटना की जांच कर रही है। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट के पैनल ने भी देश में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिबंध लगाने के फैसले का समर्थन किया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने अपने फैसले में ब्राजील में एक्स पर प्रतिबंध लगाने का फैसला दिया था। अब 11 जजों के पैनल ने भी एकमत होकर उस फैसले का समर्थन किया है। अमेरिका के मिनेपोलिस उपनगर में स्थित एक रेस्तरां में अनियंत्रित कार घुस गई।

जिससे रेस्तरां में मौजूद दो लोगों की मौत हो गई। घटना पाटियो रेस्तरां की है, जहां एक कार सवार ने कार से नियंत्रण खो दिया और कार रेस्तरां में मौजूद लोगों को कुचलती चली गई। हादसे के वक्त रेस्तरां में कई स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद थे, जो पार्टी कर रहे थे। हादसे में दो लोगों की मौत के अलावा कई अन्य घायल हुए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
आपका अपना प्रतिष्ठित एवं विश्वसनीय अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के फुटकर एवं थोक विक्रेता
प्रो.-प्रदीप शुक्ला
झूंसी पुलिया के पास, झूंसी प्रयागराज
मो.–8726413990, 9451484717

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के थोक विक्रेता
8726413990, 9451484717

कनक हॉस्पिटल
24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा
ICU NICU OT/C-arm
08090876928
08737991021
0532-2971697
511, चेतनपुरी कालोनी, कोहना, झूंसी (निकट क्रिया रोग संस्थान), प्रयागराज (उ.प्र.)

KAMLA HOSPITAL
झूंसी कोहना, निकट शास्त्री ब्रिज, प्रयागराज
डॉ0 सुनील विश्वकर्मा
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
24/7
Contact :- 0532-2971619, 8840346602

दाँत का अस्पताल
जे.पी. मेमोरियल डेन्टल क्लीनिक
डा. ए.के. वर्मा
B.D.S, MIDA
(मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
डा. एस.के. वर्मा
(दन्त चिकित्सक)
समय : सुबह 10.00 बजे से रात्रि 9.00 तक
Mob.: 9415831236, 9335524400